A Daily News Magazine
इंदौर
गुरुवार, 16 मई, 2024

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 208 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अमेरिकी चेतावनी: क्या चाबहार पोर्ट प्रोजेक्ट मुश्किल में फंस गया है?

भारत ने ईरान के साथ चाबहार स्थित शाहिद बेहेस्ती बंदरगाह के संचालन के लिए समझौता किया है, जिस पर अमेरिका ने प्रतिक्रिया दी है। अमेरिकी विदेश विभाग का कहना है कि इस समझौते को अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट नहीं मिलेगी, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या अमेरिका, इस समझौते के बाद भारत पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रहा है।

विदेश विभाग की ब्रीफिंग में उप-प्रवक्ता वेदांत पटेल से जब भारत-ईरान के बीच हुए इस समझौते के बारे में सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'हमें इस बात की जानकारी है कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से संबंधित एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।'

उन्होंने कहा, 'ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध जारी रहेंगे।'

वेदांत पटेल से सवाल किया गया कि प्रतिबंधों के दायरे में क्या भारतीय कंपनी भी आ सकती है, जिसने ईरान की कंपनी से समझौता किया है? जवाब में पटेल ने कहा कि कोई भी कंपनी अगर ईरान के साथ व्यापारिक समझौते पर विचार कर रही है तो उस पर संभावित प्रतिबंधों को ख़तरा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इसमें भारत को विशेष रूप से कोई छूट नहीं दी जाएगी।

सोमवार, 13 मई को भारत और ईरान ने एक समझौता किया। यह समझौता 10 साल के लिए चाबहार स्थित शाहिद बेहेस्ती बंदरगाह के संचालन के लिए किया गया है। यह इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड और पोर्ट्स एंड मैरीटाइम ऑर्गेनाइज़ेशन ऑफ ईरान के बीच हुआ है। शाहिद बहिश्ती ईरान का दूसरा सबसे अहम बंदरगाह है।

भारत के जहाज़रानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने ईरान पहुंचकर अपने समकक्ष के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। 2016 में भी ईरान और भारत के बीच शाहिद बहिश्ती बंदरगाह के संचालन के लिए समझौता हुआ था। नए समझौते को 2016 के समझौते का ही नया रूप बताया जा रहा है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि इस समझौते से पोर्ट में बड़े निवेश का रास्ता खुलेगा।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक़, इस समझौते के तहत इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड क़रीब 120 मिलियन डॉलर का निवेश करेगी। इस निवेश के अतिरिक्त 250 मिलियन डॉलर की वित्तीय मदद की जाएगी। इससे ये समझौता क़रीब 370 मिलियन डॉलर का हो जाएगा। यह समझौता भारत की इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड ने किया है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक चाबहार स्थित बहिश्ती बंदरगाह को विकसित करने के लिए ही कंपनी का निर्माण किया गया था। इसका उद्देश्य भूमि से घिरे अफ़ग़ानिस्तान और मध्य एशियाई देशों के लिए वैकल्पिक रास्ता तैयार करना है।

यह सागरमाला डेवलपमेंट कंपनी की सहायक कंपनी है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक़, यह कंटेनर हैंडलिंग से लेकर वेयरहाउसिंग तक का काम करती है।

इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड ने इस पोर्ट का संचालन सबसे पहले 2018 के आखिर में शुरू किया था। ईरान के परमाणु कार्यक्रम, मानवाधिकार उल्लंघन और चरमपंथी संगठनों को मदद करने के आरोप में अमेरिका ने उस पर बड़े पैमाने पर प्रतिबंध लगाए हुए हैं।

इन प्रतिबंधों के दायरे में वे बिजनेस और देश भी शामिल हैं जो ईरान के साथ मिलकर काम करते हैं। इसके चलते कई बड़ी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने ईरान के साथ व्यापार करना पहले ही बंद कर दिया है।

विदेशी मामलों के जानकार और 'द इमेज इंडिया इंस्टीट्यूट' के अध्यक्ष रॉबिंद्र सचदेव कहते हैं कि फिलहाल यह साफ़ नहीं है कि अमेरिका भारतीय कंपनी 'इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड' पर प्रतिबंध लगाए या नहीं, लेकिन इसकी संभावना बनी रहेगी। अगर भारतीय कंपनी पर अमेरिकी प्रतिबंध लगे तो उसके कर्मचारियों को अमेरिकी वीज़ा नहीं मिलेगा। वह अमेरिका के साथ कोई व्यापार नहीं कर पाएगी। अगर कंपनी की संपत्तियां अमेरिका या उसके सहयोगी देश में हैं, तो उन्हें वह फ्रीज कर सकती है। प्रतिबंध की स्थिति में यह गाज़ उन बैंकों पर भी गिर सकती है जहां कंपनी के बैंक एकाउंट हैं। अमेरिका उस बैंक को 'स्विफ्ट नेटवर्क' से ब्लॉक कर देता है। ये एक ग्लोबल नेटवर्क है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बैंकों के बीच पैसों का ट्रांसफर होता है।'

सचदेव कहते हैं बंदरगाह को चलाने के लिए बड़ी-बड़ी क्रेन की ज़रूरत पड़ती है जो जर्मनी और हॉलैंड जैसे देशों से किराए पर मिलती है, लेकिन प्रतिबंधों की सूरत में इसका मिल पाना मुश्किल है। ईरान के तटीय शहर चाबहार में बंदरगाह के विकास के लिए भारत और ईरान के बीच साल 2003 में सहमति बनी थी।

साल 2016 में पीएम नरेंद्र मोदी ने ईरान का दौरा किया था। 15 साल में किसी भारतीय पीएम का ये पहला ईरानी दौरा था। उसी साल इस समझौते को मंज़ूरी मिली। साल 2019 में पहली बार इस पोर्ट का इस्तेमाल करते हुए अफ़ग़ानिस्तान से माल पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए भारत आया था।

हालांकि साल 2020 में एक ऐसा वक्त भी आया जब ईरान द्वारा भारत को एक प्रोजेक्ट से अलग करने की रिपोर्ट्स सामने आईं।

चाबहार पोर्ट इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर यानी आईएनएसटीसी के लिए काफ़ी अहमियत रखता है। इस कॉरिडोर के तहत भारत, ईरान, अफ़ग़ानिस्तान, अर्मीनिया, अज़रबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई के लिए जहाज, रेल और सड़क मार्ग का 7 हजार 200 किलोमीटर लंबा नेटवर्क तैयार होना है। इस रूट से भारत की यूरोप तक पहुंच आसान हो जाती, साथ ही ईरान और रूस को भी फ़ायदा होता। इस परियोजना के लिए ईरान का चाबहार बंदरगाह बहुत अहम है।

पीएम मोदी के दौरे के दौरान रेल समझौते में देरी को लेकर भी ईरान की नाराज़गी देखने को मिली थी। दिल्ली में हुए जी-20 सम्मेलन के दौरान जब एक नए ट्रेड रूट को बनाने पर सहमति बनी थी, तब इस परियोजना के भविष्य पर सवाल उठने लगे थे। कहा गया कि अगर ये इंडिया-यूरोप-मिडिल ईस्ट कॉरिडोर बन गया तो चाबहार पोर्ट की बहुत अहमियत नहीं रह जाएगी। मगर अब भारत और ईरान के बीच चाबहार पर अहम समझौता हो गया है तो इसे रिश्तों में जमी बर्फ के पिघलने के तौर पर देखा जा रहा है। पाकिस्तान और चीन ईरानी सरहद के क़रीब ग्वादर पोर्ट को विकसित कर रहे हैं। भारत, ईरान और अफ़ग़ानिस्तान को जोड़ने वाले चाबहार पोर्ट को ग्वादर पोर्ट के लिए चुनौती के तौर पर देखा जाता है। चाबहार पोर्ट चीन की अरब सागर में मौजूदगी को चुनौती देने के लिहाज से भी भारत के लिए मददगार साबित हो सकता है। यह बंदरगाह भारत के रणनीतिक और चाबहार के रास्ते भारत अब ज़रूरत पड़ने पर काबुल तक भी अपनी पहुँच बना पाएगा और साथ ही सेंट्रल एशियाई देशों से व्यापार में भी बढ़ोतरी हो सकती है।

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

चारधाम यात्रा- गंगोत्री-यमुनोत्री धामों पर रिकॉर्ड तोड़ भीड़

45 किमी लंबा जाम, इंतजार में 11 की मौत

- *उत्तराखंड डीजीपी का राज्यों को लेटर- 31 मई तक कोई वीआईपी न भेजें*
- *अब तक 2 लाख 76 हजार 416 श्रद्धालु चारधाम के दर्शन कर चुके हैं*

उत्तरकाशी (एजेंसी)। अगर आप अभी उत्तराखंड में चारधाम यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं तो फिलहाल इसे टाल दें, क्योंकि गंगोत्री-यमुनोत्री धामों पर रिकॉर्ड तोड़ भीड़ के चलते सरकारी व्यवस्थाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। दोनों धामों के लिए जब आप हरिद्वार से आगे बढ़ते हैं तो 170 किमी दूर बरकोट तक 45 किमी लंबा जाम नजर आ जाएगा। गढ़वाल मंडल के कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने बुधवार को बताया कि चारधाम यात्रा के दौरान अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 5 की जान मंगलवार को गई। तीन ऐसे हैं, जिन्होंने गाड़ी में दम तोड़ दिया। जिनकी मौत हुई, उनकी उम्र 50 साल से ज्यादा थी। 4 को डायबिटीज के साथ-साथ ब्लड प्रेशर की भी शिकायत थी।

तारीख से पहले पहुंच रहे यात्री– गढ़वाल कमिश्नर– बरकोट से आगे यमुनोत्री और गंगोत्री के रास्ते हैं। सब जाम हैं। यहां से उत्तरकाशी का 30 किमी का रूट वन–वे है, इसलिए मंदिर से लौट रही गाड़ियां पहले निकाली जा रही हैं। मंदिर जाने वाली गाड़ियों का नंबर 20–25 घंटे बाद आ रहा है। विनय शंकर ने यह भी बताया कि यह खबरें भी सामने आ रही हैं कि ऑफलाइन यात्री अपनी दी गई तारीख से पहले यात्रा कर रहे हैं, इसकी जांच के निर्देश दिए गए हैं।

लोगों के लिए न रुकने का ठिकाना, न खाने–पीने की व्यवस्था– गंगोत्री जाते वक्त उत्तरकाशी से 20 किमी आगे बढ़ते ही सड़क किनारे बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग आराम करते दिखने लगेंगे। यहां न खाने का ठिकाना है और न रुकने का। आसपास के गांवों के लोग पानी की बोतल के 30 से 50 रु. तो शौचालय उपयोग का 100 रु. तक ले रहे हैं।

अब तक 26 लाख रजिस्ट्रेशन हो चुके

उत्तराखंड के डीजीपी अभिनव कुमार के मुताबिक पिछले साल 28 मई तक यमुनोत्री में 12,045 तो गंगोत्री में 13,670 यात्री ही पहुंचे थे, लेकिन मंगलवार को दिनभर में 27 हजार लोग यमुनोत्री पहुंचे। सड़कों पर बहुत दबाव है। अब तक 26.73 लाख श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। हरिद्वार और ऋषिकेश में 1.42 लाख से ज्यादा लोग ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं।

सीएए के तहत

केंद्र सरकार ने 14 लोगों को दी भारत की नागरिकता, एमएचए ने सौंपे सर्टिफिकेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत नागरिकता प्रमाणपत्रों का पहला सेट बुधवार को जारी किया गया। केंद्र सरकार की ओर से 14 लोगों को भारतीय नागरिकता प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं। सीएए प्रमाणपत्र जारी होने के बाद पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय राष्ट्रीयता देने की प्रक्रिया शुरू हो गई। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने एक निर्दिष्ट पोर्टल के माध्यम से आवेदनों पर ऑनलाइन मंजूरी के बाद 14 लोगों को प्रमाण पत्र सौंपे।

सीएए को 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में प्रताड़ना के शिकार गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारत की नागरिकता प्रदान करने के लिए दिसंबर 2019 में लाया गया था। इनमें हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदाय के लोग शामिल हैं।

सुप्रभात

समय ही शब्द है, विराम है
पूर्ण विराम है
समय में ही
निहित हैं
सारी क्रियाएं
समय के भीतर ही
खिलते हैं फूल
आती– जाती हैं ऋतुएं
बरसते हैं मेघ
लहलहाती हैं फसलें
समय के भीतर ही
बनते हैं किले
और एक दिन
मिट्टी में मिल जाते हैं
समय के बाहर
कोई सत्ता नहीं है
न आंधी की, न तूफान की
न सुनामी की
तुम जो समय बदलने
का दावा कर रहे हो
क्या जानते हो समय के
बारे में
समय के सामने एक तिनके
से भी कमजोर हो तुम
समय के हाथों दी गयी
भीख से ज्यादा कुछ नहीं है
तुम्हारी सामर्थ्य
समय के भीतर
उठ रहा है बवंडर
कड़क रही है बिजली
आसमान में गडगड़ा रहे हैं
मेघ
तुम्हारी मजबूत दीवारों
से होकर एक दिन गुजरेगी
नयी बयार और तुम्हारी
अभेद्य छत को उड़ा
ले जायेगी

– सुभाष राय

नई पार्किंग नीति का ड्राफ्ट तैयार

मप्र में अब फास्ट टैग से जुड़ेंगी पार्किंग, ईवी के लिए फ्री रहेगी

भोपाल (नप्र)। प्रदेश की सभी पार्किंग अब फास्टैग से जुड़ेंगी। इसके लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नई पार्किंग पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। 6 अलग-अलग श्रेणियों में बंटी इस पॉलिसी को जल्द लागू कर दिया जाएगा। नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की सलाह के बाद अब पार्किंग शुल्क फास्टैग से कट जाएगा। इससे पार्किंग व्यवस्था कैशलेस हो जाएगी। साथ ही अवैध वसूली या विवाद से भी निजात मिलेगी।

इस पॉलिसी में प्रदेश में हर पार्किंग के 20 प्रतिशत हिस्से में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने को भी कहा गया है। बता दें कि इससे पहले अक्टूबर 2016 में भी नगरीय आवास एवं विकास विभाग ने प्रदेश के लिए पार्किंग पॉलिसी तैयार की थी। इसमें पीक ऑवर में अधिक शुल्क रखा गया था। यह लागू नहीं हो सकी।

मल्टीलेवल पार्किंग के 500 मीटर में नो पार्किंग जोन, मल्टीलेवल पार्किंग के 500 मीटर दायरे में नो पार्किंग जोन घोषित रहेगा। हर पार्किंग में ई-पार्किंग मैनेजमेंट जैसे मोबाइल एप्लीकेशन, क्रेडिट-डेबिट कार्ड के जरिए पार्किंग शुल्क के बंदोबस्त भी करने होंगे।

जनसंख्या के हिसाब से पार्किंग शुल्क

नई नीति में नगरीय निकायों की जनसंख्या के आधार पर पार्किंग दरें अलग-अलग हो सकती हैं। नगरीय निकाय की सीमा में सार्वजनिक पार्किंग क्षेत्रों के संचालन और मेंटेनेंस के लिए निकाय से लाइसेंस लेना होगा। यदि निकाय की जनसंख्या 5 लाख या इससे ज्यादा है तो लाइसेंस अवधि 5 साल से ज्यादा नहीं होगी। 5 लाख से कम जनसंख्या वाले निकाय में लाइसेंस अवधि 3 साल की ही होगी। कोई कंपनी या संस्था पार्किंग इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 50 लाख रुपए से ज्यादा निवेश करती है तो उसे 5 साल से ज्यादा समय के लिए लाइसेंस दिया जा सकेगा।

निजी पार्किंग भी बना सकेंगे

इस पॉलिसी में निजी पार्किंग क्षेत्रों के लिए भी परमिट दिए जाने का प्रावधान है। यानी कोई भी व्यक्ति या संस्था अपनी निजी भूमि पर पार्किंग क्षेत्र डेवलप कर सकेगा। इसके लिए संबंधित नगरीय निकाय से परमिट लेना होगा।

मप्र को-ऑपरेटिव सोसायटीज एक्ट-1960 के तहत निकाय की कुल पार्किंग में से 25 प्रतिशत शिक्षित बेरोजगारों की सहकारी समिति के लिए आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है।

इनके लिए फ्री रहेगी पार्किंग: एंबुलेंस, दिव्यांग व्यक्ति के वाहन, सरकारी वाहन जैसे फायर ब्रिगेड-वाटर टैंकर, ईवी और शासन द्वारा अधिसूचित वाहन।

रेवाड़ी में चुनावी रैली में सीएम डॉ.यादव ने कांग्रेस पर साधा निशाना

कोसली को बताया बलिदानियों की धरती

भोपाल/रेवाड़ी (नप्र)। हरियाणा में रेवाड़ी जिले के कोसली कस्बा में बुधवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की चुनावी जनसभा हुई। बेरली कलां गांव के आईटीआई मैदान में आयोजित जनसभा में मोहन यादव ने कांग्रेस पर खुलकर हमला बोला। मोहन यादव ने कहा कि पहले पाकिस्तान हमारे सैनिकों के सिर कलम कर फुटबाल की तरह खेलता था, लेकिन जब से 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी की सरकार बनी है। तब से पाकिस्तान को दो-दो बार घर में घुसकर मारा है। पाकिस्तान की आज इतनी औकात नहीं कि वो हिंदुस्तान की तरफ आंख उठाकर देख ले। दरअसल, बेरली कलां में रैली 4 घंटे से भी ज्यादा समय की देरी से शुरू हुई। इससे पहले सुबह साढ़े 11 बजे तेज आंधी के कारण रैली स्थल पर पंडाल का टैंट की उखड़ गया था। टैंट उखड़ने के कारण कुछ देर के लिए आफरा-तफरी भी मच गई। लेकिन उसके बाद टैंट को दोबारा से खड़ा कराकर कार्यक्रम शुरू कराया गया।

श्रीकृष्ण भगवान का दिया उदाहरण

मोहन यादव ने कहा कि, लाइन पर लाने का काम किसी ने किया है, तो वो भगवान श्री कृष्ण ने किया है। मर्यादा के खिलाफ कोई भी जाएगा तो उसे मर्यादा रखना पड़ेगी। जो धर्म के मार्ग को छोड़ेगा उसको लाइन पर लाना भगवान श्री कृष्ण ने सिखाया। मुझे इस बात की खुशी है कि हमारे रणबांकुरे सीमा पर आकर अपनी छाती तो लगाते है लेकिन कितना दुख

होता जब हमारे सैनिकों के सिर काटकर पाकिस्तान फुटबाल खेलता था। ये हमारे बच्चे देश सेवा के लिए जाते हैं।

लेकिन नाकारा और निक्कमे लोग कांग्रेस के जब दिल्ली में बैठते हैं तो ये कहते हैं हम क्या करें ये लोग मानते ही नहीं है। पाकिस्तान के लोग कर देते है। लेकिन तुम क्या हाथ में चूड़ी पहनकर बैठे हो। जब से देश में मोदी की सरकार आए हैं पाकिस्तान की हिम्मत भारत की तरफ आंख उठाने की नहीं हुई और जब उसने हमारी तरफ आंख उठाई तो उसे मुंह तोड़ जवाब देने का काम किया।

कोसली को सैनिकों और बलिदानियों की धरती बताया

मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने कोसली को सैनिकों और बलिदानियों की धरती बताते हुए कहा कि यहां के सैनिकों ने हर मोर्चे पर देश की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी है। सैनिकों की खान की इस धरती ने कई बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा कि आज देश बुलंदियों की उंचाई पर पहुंच चुका है। देश को और ज्यादा मजबूती देने के लिए नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना जरूरी है। उन्होंने रोहतक लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी डा. अरविंद यादव के समर्थन में वोट की अपील की

भोपाल का तापमान
अधिकतम 40 °c | न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 16 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

ये लचर रवैया है...

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग मामले में बुधवार 15 मई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि हमें यह कहते हुए दुख हो रहा है कि उत्तराखंड सरकार की जंगल की आग पर कंट्रोल करने वाली अप्रोच बेहद निराशाजनक है। सरकार ने ऐक्शन प्लान तो बनाया, लेकिन उसे जमीनी स्तर पर लागू नहीं किया गया।

उत्तराखंड सरकार का जवाब जानने के लिए कोर्ट ने मुख्य सचिव को 17 मई को तलब किया है। कोर्ट ने पर्याप्त धन और वन विभाग के अधिकारियों को लोकसभा चुनाव 2024 की ड्यूटी में लगाए जाने को लेकर उत्तराखंड सरकार की आलोचना की। कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि उसने जरूरत के मुताबिक फंड राज्य को क्यों नहीं दिया। वहीं, राज्य सरकार की तरफ से फंड का सही इस्तेमाल न किए जाने पर भी सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड के वन विभाग में खाली पड़े पदों को भरने की जरूरत बताई और कहा कि इस पर ध्यान देने की जरूरत है। इससे पहले 8 मई को सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा था कि बारिश या कृत्रिम बारिश (क्लाउड सीडिंग) के भरोसे नहीं बैठा जा सकता। इसकी जल्द रोकथाम के उपाय करें।

उत्तराखंड के जंगलों में आग पर सुप्रीम कोर्ट की राज्य सरकार को फटकार, चीफ सेक्रेटरी तलब

मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट की दो टिप्पणियां

- सुप्रीम कोर्ट ने फंड नहीं रिलीज करने को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। कोर्ट ने केंद्र से कहा कि उत्तराखंड को जंगल की आग से निपटने के लिए 10 करोड़ रुपए की मांग के मुकाबले केवल 3.15 करोड़ रुपए दिए गए। पर्याप्त धनराशि क्यों नहीं दी गई?
- जंगल में आग के बीच वन कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी पर क्यों लगाया गया है? इस पर राज्य ने कहा कि अब किसी भी वन अधिकारी की चुनाव पर ड्यूटी पर नहीं लगाई जाएगी।

- नवंबर 2023 से अब तक आग लगने की 910 घटनाएं

उत्तराखंड सरकार ने जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच को बताया कि 1 नवंबर 2023 से अब तक जंगलों में आग लगने की 910 घटनाएं हो चुकी हैं। हर बार ये आग इंसानों ने लगाई गई।

संक्षिप्त समाचार

केरल में आफत मचा रहा हेपेटाइटिस ए

- 4 महीने में 2000 केस, 12 की मौत...

तिरुवनन्तपुरम (एजेंसी)। केरल इस समय हेपेटाइटिस ए वायरस के सबसे गंभीर प्रकोप से जूझ रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस साल के पहले साढ़े चार महीनों में राज्य में इस वायरस के 1,977 मामले सामने आए हैं। इस वायरस से राज्य में 12 मौतें हुई हैं। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने उन चार जिलों कोझीकोड, मलप्पुरम, त्रिशूर और एर्नाकुलम के लिए चेतावनी जारी की है जहां सबसे अधिक मामले सामने आए हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पुष्ट मामलों के अलावा इस वर्ष राज्य में 5,536 अतिरिक्त संदिग्ध मामले सामने आए हैं। यह संदेह है कि वायरस के कारण 15 और मौतें हुई हैं।

राजस्थान में खदान हादसे में एक अधिकारी की मौत

15 घंटे में बचाए गए 14 लोग

जयपुर/खेतड़ी (एजेंसी)। राजस्थान में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की कोलिहान (खेतड़ी) खदान में फंसे 15 अफसरों में से 14 को बाहर निकाल लिया गया है। वहीं, चीफ विजिलेंस ऑफिसर उपेंद्र पांडे की मौत हो गई है। उनके पार्थिव शरीर को खेतड़ी कॉपर कॉर्पोरेशन हॉस्पिटल में रखा गया है। हालांकि प्रशासन ने अभी इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

केपटाउन की राह पर राजस्थान

- अगले साल खत्म होगा जयपुर, अजमेर, जैसलमेर, जोधपुर का पानी!
- आठ करोड़ की आबादी वाले मरू प्रदेश राजस्थान में पानी बचा ही नहीं है

जयपुर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी केपटाउन को दुनिया का पहला जलविहीन शहर घोषित किया गया है। अगला नंबर हमारे राजस्थान का हो सकता है। साढ़े आठ करोड़ की आबादी वाले मरू प्रदेश राजस्थान में पानी बचा ही नहीं है। भूजल विभाग की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अगले साल यानी 2025 तक जयपुर, अजमेर, जोधपुर समेत तमाम बड़े शहरों में पानी बचेगा ही नहीं। राजस्थान में हर साल बारिश और अन्य स्रोतों से जितना पानी रिचार्ज होता है उससे 5.49 बिलियन क्यूबिक मीटर ज्यादा पानी इस्तेमाल हो रहा है। यानी भविष्य की बचत को आज ही खर्च किया जा रहा है। केंद्रीय भू जल बोर्ड व राजस्थान के भूजल विभाग की डायनामिक ग्राउंड वाटर रिसोर्स रिपोर्ट में 2025 तक जयपुर अजमेर, जैसलमेर और जोधपुर में पानी की उपलब्धता का आकलन शून्य किया गया है। मौजूदा हालात भी अच्छे नहीं हैं। भीषण गर्मी में राजस्थान के कई जिलों में पानी की राशनिंग पहले से जारी है।

रिपोर्ट तैयार करने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 2025 तक इन शहरों में भूजल का गतिशील संसाधन शून्य हो जाएगा।

इसका अर्थ यह है कि यहां जितना पानी रिचार्ज हो रहा है, उससे कहीं ज्यादा हम जमीन से निकाल रहे हैं। इससे राजस्थान के 302 ब्लॉक्स में से 219 खतरे के निशान से बहुत उपर जा चुके हैं। इन्हें अति दोहन की श्रेणी में रखा गया है। शेष में से 22 क्रिटिकल, 20 सेमी क्रिटिकल हैं। सिर्फ 38 ब्लॉक्स जल उपलब्धता के लिहाज से सुरक्षित बताए गए हैं।

40 साल में उलट गई स्थिति

भूजल सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 40 साल में राजस्थान की स्थिति एकदम पलट गई है। साल 1984 में राजस्थान में 236 ब्लॉक्स में से 203 पीने के लिए सुरक्षित थे। 10 सेमी क्रिटिकल, 11 क्रिटिकल और 12 अति-दोहन वाले थे। राजस्थान में जितना पानी रिचार्ज होता था उसका 35.75 प्रतिशत ही हम इस्तेमाल करते थे। 2023 में जितना रिचार्ज होता है, उसका 148.77 प्रतिशत हम काम में ले रहे हैं। यानी जमीन से जो पानी हम खींच रहे हैं वह भविष्य की सेविंग्स है, जिसे हम आज खर्च कर रहे हैं। इससे जल्द ही कंगाल होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

189 ग्राम पंचायतों में जल स्तर बढ़ा

भूजल वैज्ञानिकों ने बताया कि रिपोर्ट डायनामिक फैक्टर्स के आधार पर तैयार की जाती है। इसमें समय-समय पर बदलाव हो सकते हैं। यदि बारिश अच्छी हो और रिचार्ज ठीक से किया जाए तो यह स्थिति बदल सकती है। भूजल विभाग के मुख्य अभियंता सूरज भान सिंह ने बताया कि भूजल संरक्षण के लिए चलाई जा रही अटल भूजल योजना के तहत पिछले चार वर्षों में 15 हजार जल संचयन संरचनाएं बनाई गईं। इसके अलावा 30 हजार से अधिक किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर की ओर मोड़कर पानी खपत कम करने की कोशिश भी की गई। इससे 17 जिलों की 1129 ग्राम पंचायतों में से 189 ग्राम पंचायतों में जल स्तर बढ़ गया है। 289 ग्राम पंचायतों में स्थिति में मामूली सुधार हुआ है।

राजस्थान की जीडीपी में भूजल की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत

राजस्थान की सकल जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान 27 प्रतिशत है और कृषि में भूजल की हिस्सेदारी 69 प्रतिशत यानी राजस्थान की कुल जीडीपी में भूजल की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत है।

महाराष्ट्र के डिंडोरी में जनसभा में बोले पीएम मोदी

कांग्रेस की होगी करारी हार, संवैधानिक रूप से विपक्ष भी नहीं बन पाएंगे'

- कांग्रेस धर्म के आधार पर बजट बांटना चाहती है
- उनकी सोच अल्पसंख्यकों पर 15 प्रतिशत खर्च हो

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को महाराष्ट्र के डिंडोरी में जनसभा की। उन्होंने कहा- आज मोदी गरीब को पक्के घर दे रहा है, बिजली कनेक्शन, हर घर जल, उज्ज्वला का गैस कनेक्शन दे रहा है। हमने कभी किसी का धर्म नहीं देखा। सबके लिए योजनाएं बनाई, सबको योजनाओं का लाभ दिया।

उन्होंने कहा- कांग्रेस की सोच है कि देश की सरकारें जितना बजट बनाती हैं, उसका 15 प्रतिशत सिर्फ अल्पसंख्यक पर खर्च हो, यानी धर्म के आधार पर बजट का भी बंटवारा। धर्म के आधार पर इन्होंने देश को बांटा और आज भी वो धर्म के आधार पर भांति-भांति के बंटवारे करने में लगे हुए हैं। मोदी बोली कांग्रेस की होगी करारी हार, संवैधानिक रूप से विपक्ष भी नहीं बन पाएंगे'।

नड्डा बोले- आरजेडी का फुल फॉर्म- रिश्वतखोरी, जंगलराज, दलदल है

मोतिहारी (एजेंसी)। मोतिहारी में बुधवार को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा साथी ही मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं।

नड्डा ने आरजेडी का फुल फॉर्म बताते हुए कहा कि ये रिश्वतखोरी, जंगलराज, दलदल है। पाताल, समुद्र, अंतरिक्ष, जमीन में कांग्रेस ने घोटाले किए। इन्होंने ऐसी कोई जगह नहीं छोड़ी जहां घोटाला ना किया हो। लालू जी चारा तक खा गए। नौकरी के नाम पर जमीन ली।उन्होंने ने कहा कि ये लोग मुसलमानों को आपका आरक्षण देना चाहते हैं।

राहुल ने ओडिशा में संविधान की कॉपी लहराई, बोले

भाजपा के नेता कहते हैं, चुनाव जीते तो इसे फाड़ कर फेंक देंगे

भुवनेश्वर (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को ओडिशा के बलांगीर में एक रैली में कहा- भाजपा के नेता कहते हैं, अगर वे लोकसभा का चुनाव जीतते हैं तो इस किताब (संविधान) को फाड़ कर फेंक देंगे। मैं भाजपा के नेताओं से कहना चाहता हूं कि भाजपा या नरेंद्र मोदी तो दूर दुनिया की कोई भी शक्ति संविधान को नहीं छू सकती। राहुल ने कहा- अगर वे संविधान को फाड़ने की कोशिश करेंगे तो ये देखना ये देश और कांग्रेस पार्टी उनके साथ क्या करती है। हिंदुस्तान के गरीबों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों को जो भी दिया है वह इसी संविधान ने दिया है। 2024 की चुनावी लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच की है।

बीजेपी-बीजेडी की शादी हो चुकी है

राहुल गांधी ने 28 अप्रैल को केंद्रपाड़ा में रैली की थी। उन्होंने कहा था कि ओडिशा में बीजेपी-बीजेडी की शादी हो चुकी है। 'दिल्ली वाले अंकल' और नवीन बाबू ने इस शादी में ओडिशा की जनता को 'PAANN' दिया है।

लोकसभा चुनाव-2024

बंगाल में शाह बोले- कांग्रेस को डरना है तो डरे, पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे लेकर रहेंगे

हुगली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हुगली में गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को रैली की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा- ममता बनर्जी, कांग्रेस-सिंडिकेट कहती है कि धारा 370 को मत हटाओ। मैंने संसद में पूछा कि क्यों न हटाएं तो उन्होंने कहा कि खून की नदियां बह जाएंगी।

5 साल हो गए खून कि नदियां छोड़ो किसी की कंकड़ चलाने की हिम्मत नहीं है। जब इंडी गठबंधन का शासन था तो हमारे कश्मीर में हड़तालें होती थीं। आज पीओके में हड़ताल होती है। पहले कश्मीर में आजादी के नारे लगते थे, अब पीओके में नारेबाजी होती है। राहुल गांधी, आपको डरना है तो डरते रहिए, ममता बनर्जी आपको डरना है तो डरते रहिए लेकिन मैं आज श्रीरामपुर की धरती से कहता हूं कि ये पीओके भारत का है और हम उसे लेकर रहेंगे।

असम सीएम बोले-

400 सीटें मिलेंगी तो कृष्ण जन्मभूमि-ज्ञानवापी में मंदिर बनाएंगे- नईदिल्ली (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने दिल्ली में चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि अगर भाजपा को 400 सीटें मिलती हैं तो ज्ञानवापी और कृष्ण जन्मभूमि मंदिर बनाए जाएंगे। हिमंता ने कहा कि अबकी बार 400 पार का मतलब है ज्ञानवापी में शिवालय, मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर वापस भारत में।

ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां माधवी राजे का निधन

- दिल्ली आवास पर रखी जाएगी पार्थिव देह; अंतिम संस्कार आज ग्वालियर में

ग्वालियर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां राजमाता माधवी राजे सिंधिया का निधन हो गया। वे 75 साल की थीं। पिछले दो महीने से बीमार होने से दिल्ली एम्स में भर्ती थीं।

उन्होंने बुधवार सुबह 9.28 बजे अंतिम सांस ली। पार्थिव देह बुधवार दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक उनके दिल्ली वाले आवास पर रखी जाएगी। फिर गुरुवार सुबह 11 बजे ग्वालियर लाई जाएगी, यहां दोपहर तीन बजे तक अंतिम दर्शन के लिए रखी जाएगी। अंतिम संस्कार ग्वालियर में शाम 5 बजे किया जाएगा। माधवी राजे के निधन पर सीएम डॉ. मोहन यादव, पूर्व सीएम कमलनाथ समेत कई नेताओं ने दुख जताया। राजमाता माधवी राजे मूलतः नेपाल की रहने वाली थीं। वे नेपाल राजघराने से संबंध रखती थीं। उनके दादा जुद्ध शमशेर बहादुर नेपाल के प्रधानमंत्री थे। राणा वंश के मुखिया भी रहे थे। 1966 में माधवराव सिंधिया के साथ उनका विवाह हुआ था।

अखिलेश बोले-यूपी में गठबंधन जीतेगा 79 सीटें, लड़ाई "क्योटो" में

लखनऊ में खड़गे बोले- मोदी मंगलसूत्र नहीं काम पर मांगें वोट

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में बुधवार को इंडी गठबंधन की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव मौजूद रहे। खड़गे ने कहा- देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई है। चार चरणों के चुनाव में इंडी गठबंधन मजबूत दिख रहा है। मोदी की सरकार इस बार नहीं बनेगी। इंडी गठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

झांसी में 4 मंजिला शोरूम में भीषण आग

- सेना को बुलाया गया; फायर ब्रिगेड की 20 गाड़ियां मौके पर

झांसी (एजेंसी)। झांसी के सबसे बड़े बाजार सीपरी में बुधवार को भीषण आग लग गई। 4 मंजिला कोहली स्टोर से भड़की आग ने 7 दुकानों को चपेट में ले लिया। आग से अफरा-तफरी मच गई। दुकानदार और ग्राहक भागने लगे। सूचना पर फायर ब्रिगेड की 20 गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। सेना को भी बुलाया गया है।

महिला टीसी ने रचा इतिहास, साल भर में बनाए 6 हजार केस

प्लेटफार्म और ट्रेनों में टिकट चेकिंग के दौरान खासतौर पर महिला टीसी को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता है

इंदौर। रतलाम मंडल का इंदौर रेलवे स्टेशन सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला स्टेशन है। स्टेशन से हर दिन 35 हजार से अधिक यात्रियों का आना जाना होता है। इस दौरान बड़ी संख्या में यात्री बिना टिकट के रेल यात्रा करते हुए पकड़े जाते है। ऐसे यात्रियों पर कार्रवाई करने के लिए रेलवे ने सभी उप मुख्य टिकट इंस्पेक्टर (सीटीआइ) को प्रतिदिन का टारगेट दिया है। पिछले वित्तीय वर्ष में रतलाम मंडल की महिला उप मुख्य टिकट इंस्पेक्टर में सबसे ज्यादा राजस्व इंदौर की डिप्टी (सीटीआई) अलका मिश्रा ने दिया है। अलका ने 12 माह में 6 हजार 357 केस बनाएं है, जिससे रेलवे को 33 लाख 99 हजार 585 रुपए का राजस्व मिला है। जिसके चलते रतलाम मंडल ने पहली बार महिला डिप्टी सीटीआई के रूप में अलका को अवार्ड देकर सम्मानित किया है। इंदौर से प्रतिदिन 45 से अधिक ट्रेनों का आना-जाना होता है। जिसमें 35 हजार से अधिक रेल

यात्री सफर करते है। कई बार यात्री बिना टिकट लिए ही प्लेटफार्म और ट्रेन में सवार हो जाते है। ऐसे यात्रियों पर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी सीटीआइ की होती है। रतलाम मंडल में 13 टीसी और पांच महिला डिप्टी सीटीआई है। जिसमें इंदौर में तीन महिला डिप्टी सीटीआई है। डिप्टी सीटीआई अलका मिश्रा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में मुझे प्रतिदिन 12 हजार रुपए राजस्व वसूल करने का लक्ष्य मिला था। साल भर में 283 दिन काम किया। जिसमें बिना टिकट यात्रा करने वाले 3 हजार 807 सहित कुल 6 हजार 357 केस बनाएं है। जिससे 33 लाख 99 हजार 585 रुपए का राजस्व मिला। जिसके चलते रतलाम मंडल द्वारा पहली बार महिला डिप्टी सीटीआई श्रेणी में अवार्ड देकर सम्मानित किया है।

आरोप और दबाव भी सहन करना पड़ता है

प्लेटफार्म और ट्रेनों में टिकट चेकिंग के दौरान खासतौर पर महिला टीसी को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार तो आरपीएफ और जीआरपी की मदद लेना पड़ती है। डिप्टी सीटीआई मिश्रा ने बताया कि महिलाओं के होने के नाते काम में दिक्कत आती हैं। लेकिन अफसरों का सहयोग भी मिला है। ट्रेन में टिकट जांच के दौरान यात्री राजनैतिक दबाव बनाते हैं, बहस करते हैं। कई बार ट्रेन में ही देख लेने की धमकी भी देते है। कई बार यहां वहां से फोन पर बात भी करवाते हैं। कई यात्री टिकट नहीं होने पर बुरा बर्ताव करने का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर भी मैसेज चला देते हैं। लेकिन हम बिना डर अपना काम करते हैं।

सबसे बड़ी जीत और सबसे ज्यादा नोटा यहीं होंगे दर्ज, बन सकता है राष्ट्रीय रिकॉर्ड

वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में गुजरात की नवसारी सीट पर भाजपा ने देश में सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी

इंदौर। लोकसभा चुनाव के लिए मतदान हो चुका है। इंदौर के 15 लाख 60 हजार से ज्यादा मतदाताओं का मत ईवीएम में कैद है। कांग्रेस विहीन इस चुनाव में इंदौर लोकसभा सीट पर दो राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनना लगभग तय है। पहला तो लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी जीत और दूसरा सबसे ज्यादा नोटा। इन रिकॉर्ड के बनने की भी दो वजह हैं। पहली तो यह कि इंदौर लोकसभा सीट पर कांग्रेस का कोई प्रत्याशी मैदान में नहीं था। दूसरी प्रत्याशी के अभाव में कांग्रेस द्वारा मतदाताओं से नोटा का बटन दबाने की अपील करना। कांग्रेसी प्रत्याशी के मैदान में नहीं होने के बावजूद इंदौर में 61.75 प्रतिशत मतदान हुआ।

वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में गुजरात की नवसारी सीट पर भाजपा ने देश में सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। उसके प्रत्याशी केसीआर पाटील ने कांग्रेसी प्रत्याशी के मुकाबले 6 लाख 89 हजार मत ज्यादा हासिल किए थे। यह रिकॉर्ड इस बार इंदौर के नाम रहेगा इस बात की प्रबल संभावना है। ऐसा इसलिए क्योंकि कांग्रेस विहीन इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के अलावा मैदान में उतरे 13 अन्य प्रत्याशियों की कोई पहचान नहीं है। वे सब मिलकर भी एक लाख के आंकड़े को पार कर लें इसकी संभावना नजर नहीं आती क्योंकि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में सभी निर्दलीय प्रत्याशी मिलकर भी 25 हजार मत हासिल नहीं कर सके थे।वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को कुल पडे मतों का लगभग 66 प्रतिशत

हासिल हुआ था वह भी तब जब कांग्रेस ने पूरी दमदारी से चुनाव लड़ा था। इस बार तो कांग्रेस मैदान में ही नहीं है। ऐसे में कुल पड़े मतों का 80 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा भाजपा को मिले इस बात की संभावना ज्यादा है।

इन वजहों से बनेगा नोटा में नंबर वन

प्रत्याशी विहीन कांग्रेस ने इस चुनाव में मतदाताओं से नोटा का बटन दबाने की अपील की थी। इस वजह से कांग्रेस के परंपरागत मतदाता नोटा का इस्तेमाल करें इसकी संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। फिलहाल देश में सबसे ज्यादा नोटा इस्तेमाल करने का रिकार्ड बिहार के गोपालगंज के नाम है। वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में गोपालगंज में 51660 मतदाताओं ने नोटा का इस्तेमाल किया था। इंदौर इस मामले में इस बार नंबर वन बन सकता है। इसकी वजह कांग्रेस की नोटा अपील और नामांकन वापस लेने के अंतिम दिन हुआ राजनीतिक घटनाक्रम है। भाजपा का एक बड़ा धड़ा इस घटनाक्रम को लेकर नाराज है।

दुर्घटना का कोई प्रत्यक्ष गवाह नहीं मिला, कोर्ट ने कैंसिल किया 70 लाख रुपये का बीमा क्लेम

इंदौर। दुर्घटना का कोई प्रत्यक्ष साक्षी नहीं होने का नुकसान मृतक के स्वजन को हुआ। जिला न्यायालय ने उनकी ओर से प्रस्तुत क्लेम प्रकरण निरस्त कर दिया। कोर्ट ने माना कि मृतक के स्वजन दुर्घटना को साबित कर पाते तो उन्हें 14 लाख 60 हजार रुपये क्षतिपूर्ति पाने का अधिकार होता। इंदौर के श्याम नगर एनेक्स निवासी रवि उर्फ सुनील चौहान की सड़क हादसे में मृत्यु हो गई थी। उनके स्वजन ने यह कहते हुए वाहन का बीमा करने वाली कंपनी के खिलाफ 70 लाख रुपये क्षतिपूर्ति का दावा प्रस्तुत किया था कि सुनील वाहन में ड्रायवर के पास बैठे हुए थे और हादसे की वजह से ही उनकी मृत्यु हुई है। उन्होंने अपनी बात के समर्थन में पांच गवाहों के बयान भी करवाए। बीमा कंपनी की ओर से एडवोकेट मुजीब खान ने गवाहों का प्रतिपरीक्षण किया। इसमें सभी गवाहों ने स्वीकारा कि हादसा उनके सामने नहीं

हुआ था इसलिए वे नहीं बता सकते कि हादसे के वक्त रवि उर्फ सुनील वाहन चला रहे थे या चालक के पास की सीट पर बैठे थे। किसी ने भी हादसा होते हुए नहीं देखा था। ऐसे में वे नहीं बता सकते कि किसकी लापरवाही से हादसा हुआ था। न्यायालय ने गवाहों के बयान और एडवोकेट खान के तर्कों से सहमत होते हुए क्लेम प्रकरण निरस्त कर दिया।

डीएवीवी की परीक्षाओं का ढर्रा बिगड़ा, कॉपियों की कमी के कारण होगी देरी, अगला सत्र भी होगा लेट

इंदौर। लोकसभा चुनाव की वजह से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था बुरी तरह बिगड़ गई है। मार्च में शुरू हुई स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षाएं अभी तक खत्म नहीं हुई है। बीए-बीएससी अंतिम वर्ष के पेपर जून दूसरे सप्ताह तक चलेंगे। इसके बाद स्नातक प्रथम व द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं करवाई जाएगी। इसके चलते जुलाई से प्रारंभ होने वाला शिक्षा सत्र प्रभावित होगा। अगली बैच की कक्षाएं अगस्त से पहले लगना संभव नहीं है, क्योंकि प्रथम-द्वितीय वर्ष की परीक्षा देने वाले विद्यार्थी ही अगली कक्षा में जाएंगे। अप्रैल-मई में होने वाली बीए, बीकॉम, बीएससी सहित अन्य स्नातक प्रथम व द्वितीय वर्ष की परीक्षा का टाइम टेबल नहीं आया है। उत्तर पुस्तिकाओं की कमी के चलते भी विश्वविद्यालय जून तीसरे सप्ताह से परीक्षा करवाने जा रहा है।

कंपनी सचिवों के लिए आयोजित किया सेमिनार, निवेश की सावधानियों से अवगत कराया

इंदौर। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के इंदौर चैप्टर ने शहर में कंपनी सचिव सदस्यों के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया। इंदौर चैप्टर के चेयरमैन सीएस हेमंत पाटीदार ने कहा की इस सेमिनार का मुख्य विषय कंपनी अधिनियम से संबंधित था। पहले सत्र में सीएस डॉ. दिलीप कुमार जैन ने कम्पाउंडिंग एवं एडजडिकेशन के बारे में बताया। सेशन का संचालन सीएस मंजू मुंद्रा ने किया। दूसरे सत्र में अधिवक्ता सीएस वी एन दुबे ने कंपनी

अधिनियम से सम्बंधित ओप्रेशन एवं कुप्रबन्धन पर बताया , सेशन का संचालन सीएस रोहित खंडेलवाल द्वारा किया गया।

कमोडिटी बाजार की भी जानकारी दी- मुंबई से आए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज के नितिन अहिरवार ने कमोडिटी बाजार एवं उससे जुड़ी निवेश सावधानियों के बारे में बताया।

अंतिम सत्र में नागपुर के सीएस राहुल थकवानी ने लिस्टिंग रेगुलेशन के बारे में बताया। सेमिनार में इंदौर चैप्टर प्रबंधन समिति के सदस्यों सहित 60 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। मंच संचालन सीएस सुरभि अग्रवाल ने किया एवं सीएस अमित कुमार बारंगे द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

सुपारी लेकर हत्या करने वाले शूटर को पुलिस ने मुठभेड़ में गोली मारी

मृतक के बड़े भाई को मारने के लिए घूम रहे थे बदमाश, टीआई पर फायरिंग करने पर चलीं गोलियां

इंदौर। मंगलवार देर शाम बदमाशों और इंदौर की आजाद नगर थाना पुलिस में मुठभेड़ हो गई। बदमाशों द्वारा गोलियां चलाने पर पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश को पैर में गोली लगी। दूसरा भागने के दौरान दीवार से टकराकर घायल हो गया। बदमाशों ने रविवार रात कारोबारी से सुपारी लेकर एक युवक की गोली मारकर हत्या की थी।डीसीपी जोन-1 विनोद कुमार मीना के मुताबिक, नूरानी मस्जिद के पास आजाद नगर में 20 वर्षीय मोईन खान की अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या की थी। सूचना मिली थी कि हत्या में शामिल शूटर शाकिर उर्फ भइया और अमन शाह (चंदन नगर) स्कीम 140 की तरफ गए हैं। आजाद नगर और तेजाजी नगर थाना की टीम द्वारा घेराबंदी करने पर शाकिर ने टीआई नीरज मेढ़ा पर गोलियां चला दीं। एक गोली शासकीय गाड़ी पर लगी, जबकि दूसरी टीआई के कान के पास से निकली। टीआई ने भी दो गोलियां चलाईं, जिसमें एक शाकिर के पैर में लगी। डीसीपी के मुताबिक, अमन बाइक चला रहा था। शाकिर को गोली लगते ही अमन बाइक छोड़कर भागा, लेकिन दीवार से टकराने से जख्मी हो गया।

आरोपितों से एक पिस्टल मिली है, जो प्रापर्टी व मार्बल कारोबारी आरिफ खिलजी (नयापुरा) द्वारा मुहैया करवाई गई थी। आरिफ ने ही तीन-तीन लाख रुपये में सुपारी दी थी।

बड़े भाई की जगह छोटे की कर दी हत्या

मार्बल कारोबारी आरिफ की इकलौती बेटी अलीशा ने नौ महीने पूर्व मोईन (जिसकी हत्या की गई) के बड़े भाई मुबस्सर से प्रेम विवाह किया है। अलीशा द्वारा प्रापर्टी में हिस्सा मांगने पर पिता आरिफ आक्रोशित था। वह बेटी की संपन्न घराने में शादी करवाना चाहता था। इधर, आरोपित शाकिर और अमन आरिफ के अधीन काम करते हैं। उसने भतीजे नाहिब जाटू (खजराना) के माध्यम से अलीशा से विवाह करने वाले मुबस्सर की हत्या की साजिश रची। शाकिर और अमन को तीन-तीन लाख रुपये में गोली मारने के लिए तैयार किया। पांच हजार रुपये एडवांस दे दिए। आजाद नगर में रहने वाले अहमद रजा और लियाज के माध्यम से मुबस्सर की रैकी करना शुरू की। लियाज और अहमद को 700-700 रुपये दिए गए। लियाज सिगरेट पीने के बहाने मोईन को घर से बाहर लेकर आया। अहमद शूटर के पास रुका। आरोपित मुबस्सर के स्थान पर मोईन को लेकर आ गए थे। मोईन ने अनजान लोगों को देखा तो उसे शक हुआ और गाड़ी से कूदकर भागा। इसी दौरान शूटर ने पीछा कर गोली मार दी।

एसीपी आशीष पटेल के मुताबिक, आरोपित अजमेर भाग गए थे। मंगलवार को मुबस्सर की हत्या करने के लिए आजाद नगर की ओर जा रहे थे। आरोपित अमन पर एक और शाकिर पर पांच प्रकरण दर्ज हैं। चंदन नगर पुलिस ने शाकिर को चुनाव के दौरान बाउंड ओवर किया था। पूछताछ में बताया कि मोईन को जिस पिस्टल से गोली मारी, वो भी आरिफ ने उपलब्ध करवाई थी। आरोपित आरिफ की तलाश जारी है। वह भाजपा नेताओं से जुड़ा हुआ है। उसने शाकिर और अमन से कहा था कि नेताओं की मदद से उन्हें बचा लेगा। घटना के बाद आरिफ द्वारा फोन बंद करने पर उन्हें रुपया नहीं मिला और आसपास ही फरारी काटनी पड़ी।

इजराइल के हमले में भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी की मौत

इंदौर/संयुक्त राष्ट्र। सोमवार को इजरायल ने गाजा के मिस्र सीमा पर स्थित शहर रफाह में हमला कर दिया। इस हमले में एक पूर्व भारतीय अधिकारी की मौत हो गई। बताया गया कि भारतीय सेना से रिटायर्ड वैभव अनिल काले रफाह के यूरोपियन हास्पिटल में संयुक्त राष्ट्र की ओर से सुरक्षा कार्यों के लिए तैनात थे। वे संयुक्त राष्ट्र के ही वाहन में सवार थे, इस दौरान इजराइली हमले में उनकी मौत हो गई।

इंदौर से भी रहा है नाता

वैभव अनिल काले का इंदौर से भी नाता रहा है। उन्होंने यहां आईआईएम से पढ़ाई की थी। इसके अलावा वे आईआईएम लखनऊ में भी पढ़ें हैं। साथ ही जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी से उन्होंने बीए किया था।

यूएन महासचिव ने जताया शोक

वैभव अनिल काले की मौत पर संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी इजराइल के हमले की भी निंदा करते हुए काले के निधन पर शोक जताया है।

कर्नल के पद पर थे तैनात- 46 वर्षीय काले भारतीय सेना में कर्नल के पद पर तैनात थे, उन्होंने 2022 में सेवा से रिटायरमेंट ले लिया था और तीन सप्ताह पूर्व संयुक्त राष्ट्र में सिक्योरिटी कोआर्डिनेशन ऑफिसर के रूप में कार्य शुरू किया था।

12वीं क्लास का रिजल्ट बिगड़ा तो छात्र ने कर ली आत्महत्या

इंदौर। महू के गुजरखेड़ा गांव में रहने वाले आर्यन पिता विजय पाल ने इस साल 12 वीं कक्षा की परीक्षा दी थी। सोमवार को उनसे फोन पर अपना रिजल्ट देखा। उसे उम्मीद थी कि वह पास हो जाएगा,लेकिन वह फेल हो गया। इसके बाद उनसे घर में रखी सल्फास की गोलियां खा ली।कक्षा 12 वीं में फेल होने पर एक किशोर ने सल्फास की गोलियां खाकर आत्महत्या कर ली। सीबीएसई परीक्षा परिणाम आने के बाद वह तनाव में था और उसने यह कदम उठा लिया। महू के गुजरखेड़ा गांव में रहने वाले आर्यन पिता विजय पाल ने इस साल 12 वीं कक्षा की परीक्षा दी थी। सोमवार को उनसे फोन पर अपना रिजल्ट देखा। उसे उम्मीद थी कि वह पास हो जाएगा,लेकिन वह फेल हो गया। इसके बाद उनसे घर में रखी सल्फास की गोलियां खा ली। उसे उल्टियां होने लगी तो बाथरुम के भीतर चले गया। काफी देर तक वह जब बाथरुम से बाहर नहीं निकला तो परिजनों को शंका हुई। परिजनों ने बाथरुम का दरवाजा खटखटाया,लेकिन उसने नहीं खोला। परिजनों ने दरवाजा तोड़ा तो वह भीतर बेहोश पड़ा था। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। उसे भर्ती किया गया, लेकिन मंगलवार सुबह उसकी मौत हो गई।

दूसरे चरण से लिया सबक, चौथे चरण में मालवा - निमाड़ की सीटों पर मिला फायदा

इंदौर। दूसरे चरण में गिरे मतदान प्रतिशत से सबक लेकर इंदौर में हुई रणनीति का फायदा भाजपा को चौथे चरण में मिला। दूसरे चरण में प्रदेश में सिर्फ 58.59 प्रतिशत मतदान हुआ था। जबकि 13 मई को हुए चौथे चरण में मालवा-निमाड़ की आठ सीटों पर औसतन 71.72 प्रतिशत मतदान हुआ। हालांकि यह वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव के मुकाबले करीब चार प्रतिशत कम है, लेकिन राहत की इस बात की है कि चुनाव आयोग और राजनीतिक दलों के समग्र प्रयास आखिर रंग ले ही आए। तीन चरणों में गिरे मतदान के प्रतिशत ने भाजपा नेताओं की चिंता बढ़ा दी थी।

चौथे चरण में

बढ़े मतदान प्रतिशत से उन्हें निश्चित ही राहत मिली है। पार्टी के नेता इस बढ़े मतदान प्रतिशत का श्रेय कार्यकर्ताओं की मेहनत और

संगठनात्मक ढांचे को दे रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी इंदौर में ली बैठक में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को अति आत्मविश्वास से बचने की सीख दी थी। हालांकि इसका असर चौथे चरण में नजर आया।

मतदान के 15 दिन पहले बन गई थी रणनीति

भाजपा ने मतदान बढ़ाने की रणनीति करीब 15 दिन पहले ही तैयार कर ली थी। इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका कार्यकर्ताओं को सौंपी गई थी। उन्होंने न सिर्फ उन मतदाताओं की सूची तैयार की जो 13 मई को शहर से बाहर जाने वाले थे बल्कि उन्हें मतदान वाले दिन शहर में रहकर मतदान करने के लिए तैयार भी किया। इसके अलावा मतदान के एक दिन पहले 12 मई को कार्यकर्ताओं ने मैदान संभाल लिया था। सुबह साढ़े चार बजे से ही टेबले लगा दी गई थीं। सुबह साढ़े छह बजे से मतदाताओं को घर से निकालने के प्रयास शुरू हो गए थे।

बीड़ी देने से मना किया तो सिर पर डंडा मारकर हत्या कर दी

इंदौर। डंडे की मार से उनके सिर में अंदरुनी चोट लगी। खून बहता देख आरोपी भाग खड़ा हुआ। मनोहर को एक परिचित ने देर रात उपचार के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उनकी मौत हो गई। थे। उनके शरीर पर अन्य चोटों के निशान भी थे। इंदौर में मामूली बातों पर हत्याएं होने लगी है। एक युवक ने बुर्जुग की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी,क्योकि उसने बदमाश को बीड़ी देने से मना कर दिया था। यह घटना संयोगितागंज क्षेत्र की है।यहां रहने वाले युवक करण ने रात को एक बुर्जुग मनोहर

बाबूराव से पीने के लिए बीड़ी मांगी। बुर्जुग ने बीड़ी देने से मना कर दिया तो युवक को गुस्सा आ गया। उसने मनोहर के सिर पर डंडा मार दिया। डंडे की मार से उनके सिर में अंदरुनी चोट लगी। खून बहता देख आरोपी भाग खड़ा हुआ। मनोहर को एक परिचित ने देर रात उपचार के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उनकी मौत हो गई। थे। उनके शरीर पर अन्य चोटों के निशान भी थे। डाक्टरों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज करते हुए आरोपी युवक करण की तलाश शुरू कर दी है। मनोहर के परिवार के अन्य लोगों की जानकारी पुलिस को नहीं मिल पाई है। वे इंदौर में अकेले रहते थे।

संपादकीय

मोक्ष यात्रा बनी चार धाम यात्रा

हिंदुओं के लिए अत्यंत पवित्र मानी जाने वाली चार धाम यात्रा में भारी अव्यवस्था और प्रशासन की लापरवाही उजागर हो रही है। चार धाम यात्रा मोक्ष यात्रा में तब्दील हो गई है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक 11 तीर्थ यात्रियों की मौत हो चुकी है। 10 मई से केदारनाथ के कपाट खुलने के बाद से लाखों यात्री हिमालय की ऊंचाई पर बने इन तीर्थ स्थलों पर पहुंच रहे हैं। इस यात्रियों की भारी भीड़ को संयोजित करने में नाकाम रहे उत्तराखंड प्रशासन ने अब दो दिन के लिए ऑफ लाइन रजिस्ट्रेशन बंद कर दिए हैं। लेकिन सवाल यह है कि जब वहां इतने अधिक यात्रियों के लिए जगह और व्यवस्थाएं नहीं हैं तो फिर इतनी बड़ी तादाद में लोगों को जाने क्यों दिया जा रहा है? इसका जवाब कोई नहीं दे रहा है। गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने बताया कि 15 अप्रैल से अभी तक 26 लाख 73 हजार 519 रजिस्ट्रेशन हुए थे। गंगोत्री में 4 लाख 21 हजार 366, यमुनोत्री में 4 लाख 78 हजार 576 रजिस्ट्रेशन किए गए। वहीं हेमकुंड साहिब के लिए अब तक 59 हजार से अधिक लोगों द्वारा रजिस्ट्रेशन किया गया है। बता दें कि हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई से खुलेंगे। वहां सिख तीर्थ यात्री बड़ी संख्या में जाते हैं। इसी तरह ऑफ लाइन रजिस्ट्रेशन की संख्या भी हजारों में है। अधिकृत जानकारी के अनुसार यमुनोत्री में 59 हजार, गंगोत्री में 51 हजार, केदारनाथ में 1 लाख 26 हजार 306 तथा बद्रीनाथ में 39 हजार 574 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। फिलहाल हालत यह है कि हजारों यात्री जाम में फंसे हैं। जाने वालों की मुश्किल तो है ही लौटने वालों के सामने भी स्थिति उतनी विकट है। बताया जा रहा है कि अब राज्य की मुख्य सचिव स्थिति की समीक्षा कर रही हैं। पिछले कुछ सालों से जब चार धाम की यात्रा पहले की अपेक्षा सुगम हुई है और धार्मिकता का नया ज्वार आया है तब से चार धाम यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह से सारी अधोसंरचनाएं ध्वस्त होने लगी हैं। इस यात्रा में बड़े बूढ़ों की संख्या ज्यादा होती है, जो वहां के मौसम की मार सह नहीं पाते। पिछले साल चार धाम यात्रा में 200 तीर्थ यात्रियों की असमय ही मौत हो गई थी। इसके पहले 2021 में कुल 300 तीर्थ यात्रियों की मौत हुई थी। लेकिन प्रशासन तब भी नहीं चेता। तीर्थ यात्रियों के प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक तरीका अपनाया जाना चाहिए। वहां एक दिन में कितने लोगों की व्यवस्था हो सकती है, उसी हिसाब से लोगों को छोड़ा जाना चाहिए। ताकि अव्यवस्था न हो। यात्रा भी सुगम तरीके से चलते रही। यह प्रबंधन मैदानी इलाके में ही होना चाहिए, जहां यात्रियों को यदि एकाध दिन की प्रतीक्षा भी करनी पड़े तो वैसी व्यवस्था होनी चाहिए। यह यात्रा अमूमन 10 से 12 दिनों की होती है। समूची यात्रा करीब 1550 किमी लंबी होती है। हेलीकॉप्टर के जरिए जाने पर यह 4 5 दिनों में ही समाप्त हो जाती है। चारधाम जाने वाले यात्रियों की संख्या में 44 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। लेकिन इंतजाम उस अनुपात में नहीं बढ़े हैं, यह बहुत साफ है। लोगों को रोजगार मुहैया कराने के लिए सरकार ने धार्मिक पर्यटन और धार्मिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर काम शुरू किया है। यह विचार अच्छा है, लेकिन यदि धार्मिक स्थलों की पवित्रता पर ही आंच आए और हमारे सुंदर तीर्थस्थल भी अनियंत्रित भीड़ के कारण मनोरंजन और तमाशे का जरिया बन जाए, इसके दुखद बात कुछ और नहीं हो सकती। सरकार को इसे बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। वरना स्थिति बेकाबू हो सकती है।

'रणछोड़' की भूमिका में बीजेपी

नजरिया

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

चुनावी घमासान का नजारा अनंतनाग-राजौरी में भी देखने को मिल रहा है। यहां नेकां ने मियां अल्ताफ अहमद को टिकट दी हैं। अल्ताफ प्रभावशाली गुज्जर (बाकलीवाल) समुदाय के नेता है। सैयद अलताफ बुखारी की अध्यक्षता की अपनी पार्टी की ओर से यहाँ जाफर इकबाल मन्हास मैदान में है। मन्हास पहाड़ी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। पहाड़ियों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा केन्द्र की बीजेपी सरकार का बड़ा दांव रहा है। यूं भी सैयद अल्ताफ बुखारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थक हैं और अपने खयालों का कई बार इजहार कर चुके हैं। वह गर्हित राष्ट्रवाद या अलगाववाद की धारणा को खारिज करने और मुद्दों को हवा देने के लिए जाने जाते हैं। कहना न होगा कि उनकी जीत से भाजपा-शिविर को खुशी होगी।

जम्मू और काश्मीर घाटी में चुनाव हो रहे हैं। जम्मू और घाटी में कुल जमा पांच सीटें हैं। पांच यानी दहाई से भी आधी, लेकिन ये चुनाव मायने रखते हैं। धुर उत्तरी सीमांत अंचल में हो रहे इन चुनावों के निहितार्थ बड़े हैं। तीन भागों में बंटे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के चुनावी मैदान में कई खिलाड़ी हैं। सबकी जर्सियां अलग-अलग हैं, लेकिन उनकी बंदिश और आधे-अधूरे तालमेल ने खेल को रोचक बना दिया है। जम्मू-घाटी और लद्दाख में हो रहे चुनाव को केन्द्र सरकार द्वारा धारा 370 की समाप्ति पर प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है और नतीजों से इस बात का आभास होगा कि तीनों भूभागों की पृथक्कृत अथवा समवेत राय क्या है? नतीजे कुछ भी हों, लेकिन यह टिप्पणी बीजेपी के रवैये की दिलचस्य और सटीक मीमांसा करती है कि जामू-कश्मीर में भाजपा प्रॉक्सी- चुनाव लड़ रही है।

इसमें शक नहीं कि भारतीय जनता पार्टी ने तीन संसदीय क्षेत्रों - अनंतनाग, बारामूला और श्रीनगर से चुनाव नहीं लड़ने का फैसला बहुत सोच-समझ कर लिया है। यह उसका रणनीतिक कदम है, जो परिणामों के पूवार्नुमानों के परिप्रेक्ष्य में गुण-दोषों के आधार पर लिया गया है। वह जानती है कि घाटी में चुनाव से तौबा से उस पर 'रणछोड़' की तोहमत भले ही न लगे, नतीजे प्रतिकूल आने पर एक तो उसकी भद्द नहीं पिटेगी, दूसरे दीर्घकालिक रणनीति तय करने में उसे सुभीता होगा। इसी के तहत उसने अपने दोस्त तलाश लिये हैं और उन्हीं की पीठ पीछे पीछे खड़ी होकर वह दो शक्तिशाली परिवारों-अब्दुल्ला और मुफ्ती - के खिलाफ सक्रिय है। अब्दुल्ला-परिवार के चश्मो- चिराग उमर अब्दुल्ला तंज कसते हैं कि बीजेपी खुद को बेनकाब नहीं करना चाहती तो मुफ्ती परिवार की पार्टी पीडीपी के मोहित भान कहते हैं कि बीजेपी भले ही बाकी हिस्सों में सभी सीट जीत लें, लेकिन कश्मीर में हारना उसकी बड़ी हार होगी। कैफियत में बीजेपी के सुनील सेठ कहते हैं कि जे एण्ड के में चुनाव बीजेपी की प्राथमिकता नहीं है। हमारी प्राथमिकता है लोगों का दिल जीतना।

घाटी में बीजेपी के प्रॉक्सी-युद्ध का परिचय बारामूला में बखूबी मिल रहा है, जहां नेशनल कांफ्रेंस के उमर अब्दुल्ला की प्रतिष्ठा दांव पर है। यूं तो पीडीपी के फैयाज मीर भी मैदान में हैं, अलबत्ता उमर का मुकाबला पीपुल्स कांफ्रेंस के सज्जाद गनी लोन से है। बारामूला नेकां का गढ़ है। यहां उसने दस बार जीत का परचम लहराया है। मगर बदली हवा और पर्दे के पीछे से शह के बूते लोन को उम्मीद है कि वह उमर को शिकस्त देंगे। श्रीनगर वह सीट है, जहां से डॉ. फारूक अब्दुल्ला एकाधिक बार चुनाव जीते हैं। इस बार नेका ने सैयद रुहुल्ला मेहंदी को मैदान में उतारा है। सुन्नी बहुल सीट से एक शिया को चुनाव लड़ाने के कांफ्रेस के कदम को अचरज से देखा जा रहा है। बहरहाल, उनका सामना पीडीपी के वहीद - उर-रहमान पारा से है। यहाँ से डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने अमीर भट, नेशनल पैथर्स पार्टी ने हकीकत सिंह और लोकतांत्रिक पार्टी ने रुबीना अख्तर को टिकट दी है। माना जा रहा है कि यहाँ से बीजेपी मोहम्मद अशरफ मीर के बाजी जीतने की कोशिश करेगी, जो अपनी पार्टी के उम्मीदवार हैं। गौरतलब है कि पूर्व कांग्रेसी नेता गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी को बीजेपी की बी टीम या पिछलग्गू पार्टी माना जाता है। राजनीतिक पंडितों की राय है कि आजाद अपनी साख और जनाधार खो चुके हैं। ऐसे ही भीमसिंह की पैंथर्स पार्टी में भी अब पहले सा दमखम नहीं रहा।

चुनावी घमासान का नजारा अनंतनाग-राजौरी में भी देखने को मिल रहा है। यहां नेकां ने मियां अल्ताफ अहमद को टिकट दी हैं। अल्ताफ प्रभावशाली गुज्जर (बाकलीवाल) समुदाय के नेता है। सैयद अलताफ बुखारी की अध्यक्षता की अपनी पार्टी की ओर से यहाँ जाफर इकबाल मन्हास मैदान में है। मन्हास पहाडी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। पहाड़ियों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा केन्द्र की बीजेपी सरकार का बड़ा दांव रहा है। यूं भी सैयद अल्ताफ बुखारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थक हैं और अपने खयालों का कई बार इजहार कर चुके हैं। वह गर्हित राष्ट्रवाद या अलगाववाद की धारणा को खारिज करने और मुद्दों को हवा देने के लिए जाने जाते हैं। कहना न होगा कि उनकी जीत से भाजपा-शिविर को खुशी होगी।

उल्लेखनीय है कि सन् 1996 के उपरांत यह पहला मौका है कि बीजेपी उक्त सीटों पर चुनाव नहीं लड़ रही है। बीत बरसों में उसके जनाधार में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। नतीजतन वह प्रदेश में सत्ता में आई और जम्मू और लद्दाख से चुने जाकर उसके प्रत्याशी लोकसभा में पहुंचे। सन् 2016 के असेंबली-चुनाव में 87 के सदन में उसके 25 विधायक चुने गये थे और पीडीपी के मेहबूबा मुफ्ती की सरकार में उसने भागीदारी भी की।

मगर यह सियासी दोस्ती ज्यादा अर्सा टिकी नहीं और 2018 में इसका अंत विच्छेद में हुआ। अब बीजेपी और पीडीपी अलग-अलग राहों के राही है। संप्रति बीजपी की पूरी कोशिश मुफ्ती और अब्दुल्ला-परिवार की जड़ों में मठा डालने की है। साथ ही वह छोटे गुटों को बढ़ावा देने और गैर-पारंपरिक वोटों को साधने की रणनीति पर चल रही है। केन्द्र की पहल पर संपन्न परिसीमन से असेंबली की सदस्य संख्या जहां 90 हो गयी है, वहीं लोकसभा क्षेत्रों में समीकरण बदले हैं और उनका मिजाज भी। इस चुनाव में सबकी निगाहें ऊधमपुर पर टिकी हुई है, जहाँ कांग्रेस के चौधरी लाल सिंह और बीजेपी के जितेंद्र सिंह में ठनी हुई है। चौधरी लालसिंह दो बार एमपी रह चुके हैं और दसेक साल पहले बीजेपी में हुआ करते थे। उनकी पत्नी श्रीमती कांता अंडोत्रा भी एएएलए रहीं।

चौधरी लाल सिंह मुखर राजनेता रहे हैं। धारा 370 के खात्मे को लेकर वह काफी तल्ख रहे। सन् 2018 में बीजेपी से अलग होने का खामियाजा उन्होंने भुगता। उनके खिलाफ सीबीआई और ईडी ने कार्रवाई की। उनके यहाँ छापा पड़ा और वह गिरफ्तार हुये। उन्होंने डोगरा स्वाभिमान संगठन की स्थापना की, लेकिन बात बनी नहीं। अंततः उन्होंने कांग्रेस का दामन थामा और आज वह उन्हीं जितेंद्रसिंह से जूझ रहे है, जिनका उन्होंने असेंबली-इलेक्शन में कभी प्रचार किया था।

चौधरी लाल सिंह शीघ्र असेंबली इलेक्शन, बीजेपी के प्रॉक्सी-शासन के खात्मे, रोजगार में बाहरियों के बजाय स्थानियों को वरीयता, डोगरा - अस्मिता और स्थानीय- मुद्दों की बात करते हैं, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी जितेंद्रसिंह का प्रमुख मुद्दा हिन्दुत्व है। जितेंद्र सिंह के समर्थक मोदी को अवतार के तौर प्रचारित कर रहे हैं। मतदाताओं की आशंका है कि उन्हें चुनने के बाद उनसे संपर्क साधना कठिन होगा। बहरहाल, उनके समर्थन में नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह और योगी सभाएं कर चुके हैं। राजनाथ तो ऐलान कर गये हैं कि राम राज्य आ गया है और अब समान नागरिक- संहिता की बारी है।

क्षेत्रफल की बात करें तो ऊधमपुर बड़ा संसदीय क्षेत्र है और उसमें ऊधमपुर, डोडा, कठुवा, किश्तवाड़ और रामबन का समावेश है। गुलाम नबी की पार्टी ने यहाँ से जीएम सरूरी को टिकट थमाई है, लेकिन माना जा रहा है कि ऊधमपुर में मुकाबला दो राजपूत सिंहों-चौधरी और जितेन्द्र के दरम्यान है। सन 1962 में संस्थापित जम्मू संसदीय क्षेत्र भिन्न-भिन्न कारणों से लगातार सुर्खियों में रहा है। यहां बरसों कांग्रेस का बोलबाला रहा और बतौर सांसद शर्माओं का वर्चस्व। सन् 1962 , 67 और 71 में कांग्रेस के इंद्रजीत मल्होत्रा, सन् 80 में गिरधारीलाल डोगरा, सन् 84 और 89 में जनकराज गुप्ता जीते। कांग्रेसी सांसदों की यह परंपरा सन् 77 में निर्दल ठाकुर बलदेव सिंह की जीत से खंडित जरूर हुई, लेकिन सन् 96 में कांग्रेस के मंगतराम शर्मा ने फिर जीत का परचम लहराया।

सन् 1998 में बीजेपी के विष्णुदत्त शर्मा पहली बार निर्वाचित होकर संसद में पहुंचे। अगले वर्ष यह फिर जीते, लेकिन सन् 2002 में नेकां के चौधरी तालिब हुसैन ने यह किला फतह कर लिया। सन् 2004 और 2009 में कांग्रेस के मदनलाल शर्मा ने यह खोया किला फिर हासिल कर लिया। वक्त बदला और राजनिति के मोदी-युग में सन् 2014 और 2019 में बीजेपी के जुगल किशार शर्मा ने यहाँ विजयध्वज फहराया। जम्मू में इस चुनाव में पिछली बार के प्रत्याशी आमने-सामने है।

जुगल किशोर के सामने कांग्रेस ने फिर से रमन भल्ला पर दांव लगाया है। है। गत चुनाव में जुगल ने रमन को तीन लाख से अधिक वोटों से मात दी थी। बसपा के बद्रीनाथ को 14276 मत मिले थे। अन्य सभी का प्रदर्शन दयनीय रहा था। आज भी जम्मू में बीजेपी के पलड़े में वजन ज्यादा है।

चुनाव में गायब जलवायु परिवर्तन

पर्यावरण

कुलभूषण उपमन्यु

लेखक हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष हैं।

जुलाई और अगस्त 2023 में हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण भूस्खलन से हुई तबाही का भी रिपोर्ट में जिक्र किया गया है जिसको भारत सरकार ने आपात स्थिति घोषित किया था। इन स्थितियों से निपटने के लिए आपदा प्रबन्धन के विषय में भी काफी कुछ करने की जरूरत पर रिपोर्ट में प्रकाश डाला गया है। हालांकि भारत ने इस विषय में कुछ मानकों पर अच्छी प्रगति की है, फिर भी काफी कुछ किये जाने की जरूरत है। पूर्व-चेतावनी व्यवस्था में सुधार करके आपदाओं से होने वाली हानि को 30 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

'संयुक्त राष्ट्र संघ' की 'विश्व मौसम विज्ञान संस्था' ने एशिया में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें यह बात सामने आई है कि वैश्विक तापमान वृद्धि का प्रभाव एशिया में विश्व औसत से ज्यादा पड़ रहा है। इस क्षेत्र के कई देशों में आज तक का अधिकतम तापमान दर्ज किया गया है, जिसके कारण इस महाद्वीप में 2023 में 90 लाख लोग बाढ़ों और तूफानों से प्रभावित हुए हैं, दो हजार लोग काल का ग्रास बने हैं। जलवायु परिवर्तन ने बाढ़, सूखे और तूफानों की घटनाओं को न केवल बढ़ाया है, बल्कि उनकी भयावहता को भी बढ़ाया है जिसका दुष्प्रभाव वहां के समाजों, अर्थ-व्यवस्थाओं, और मानव जीवन पर पड़ा है।

जलवायु परिवर्तन के मुख्य सूचकों, जैसे - जमीनी तापमान में वृद्धि, ग्लेशियरों का पिघलना और समुद्र के जलस्तर के बढने से बिगड़ती हुई स्थिति का पता चल रहा है। 1960-1990 के दौर के मुकाबले तापमान वृद्धि की दर लगभग दुगनी हो गई है। 2023 में जहां एक ओर सूखा पड़ा वहीं दूसरी ओर भयानक बाढ़ें आईं। लू के कारण 100 लोगों की मौत हो गई और सिक्किम का तीस्ता-3 बांध बाढ़ की चपेट में आकर ध्वस्त हो गया। इस दुर्घटना में 100 लोग अपनी जान गंवा बैठे।

बढ़ते तापमान के कारण इस तरह की घटनाओं के बढ़ने की संभावना है। भारत और बांग्लादेश में लू की संभावनाओं में 30 गुणा वृद्धि की आशंका पैदा हो गई है। एशिया के तेज़ गति से बढ़ते तापमान के चलते इसके ग्लेशियर भी खतरे में पड़ गए हैं। मुख्य 22 ग्लेशियरों में से 20 में भारी नकारात्मक बदलाव हुए हैं, यानि ग्लेशियरों के पिघलने की गति तेज़ हुई है। तापमान वृद्धि से समुद्र का जल भी ज्यादा गर्म हो रहा है जिसके कारण भारी बारिश और समुद्री तूफानों का खतरा बढ़ा है। पिछले चार दशकों में अरब सागर में समुद्री तूफानों की संख्या में डेढ़ गुणा वृद्धि हुई है और तूफानों की घातकता भी बढ़ी है।

जुलाई और अगस्त 2023 में हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण भूस्खलन से हुई तबाही का भी रिपोर्ट में जिक्र किया गया है जिसको भारत सरकार ने आपात स्थिति घोषित किया था। इन स्थितियों से निपटने के लिए आपदा प्रबन्धन के विषय में भी काफी कुछ करने की जरूरत पर रिपोर्ट में प्रकाश डाला गया है। हालांकि भारत ने इस विषय में कुछ मानकों पर अच्छी प्रगति की है, फिर भी काफी कुछ किये जाने की जरूरत है। पूर्व-चेतावनी व्यवस्था में सुधार करके आपदाओं से होने वाली हानि को 30 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

रिपोर्ट में आर्थिक असमानता के चलते जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के और ज्यादा चिंताजनक होने की बात कही गई है। जाहिर है, बढ़ते तापमान का प्रत्यक्ष डंक उन गरीब लोगों को भुगतना पड़ता है जिनके पास आवास की व्यवस्था नहीं है या जिन्हें दैनिक मजदूरी पर निर्भर रहना पड़ता है या किसान, जिनकी फसल खुले में ईश्वर भरोसे रहती है। उनके लिए जलवायु-अनुकूलन व्यवस्था खड़ी करना भी संभव नहीं होता। बढ़ते तापमान से फसलों की उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव पड़ने के कारण खाद्य सुरक्षा पर भी खतरा पैदा होने की संभावना बढ सकती है।

इस दिशा में जलवायु की विपरीत स्थितियों को झेलने में सक्षम फसलों की किस्मों पर ज्यादा शोध और प्रचार-प्रसार की जरूरत है। इस दिशा में पुराने समय में प्रचलित फसलों कोदों, रामदाना, स्वांक, बाजरा आदि का प्रचार-प्रसार करके अच्छी पहल की जा रही है, किन्तु कार्बन उत्सर्जन करने वाली ऊर्जा उत्पादन तकनीकों और बड़े प्रोजेक्टों, खनन परियोजनाओं के कारण वनों के विनाश से कार्बन प्रदूषण की चुनौतियां यथावत बनी हैं और बढ़ भी रही हैं। पिछले 15 वर्षों में भारतवर्ष में 3 लाख हेक्टेयर वनभूमि का उपयोग इस तरह की बृहदाकार योजनाओं के लिए बदला जा चुका है और यह क्रम सतत जारी है।

इतनी चिंताजनक स्थिति के बाबजूद वर्तमान चुनावों में यह मुद्दा जनता के बीच महत्वपूर्ण नहीं बन सका है। पर्यावरण से जुड़े दिवसों पर चेतना रैली निकालने, कुछ अच्छे-अच्छे नारे लगाने, भाषण प्रतियोगिता आयोजित करने या ज्यादा-से-ज्यादा चुनावी घोषणा-पत्रों में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से जुड़े वादे उछालने तक हम सीमित होते जा रहे हैं। राजनैतिक दल भी जन चेतना जगाने के इस मौके का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। आम मतदाता निजी आर्थिक लाभ से ज्यादा सोचने को तैयार नहीं है इसलिए राजनैतिक दल भी इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लेते हैं।

हिमालय के नाजुक पारिस्थितिक संतुलन की दृष्टि से यह मामला और भी ज्यादा संगीन हो जाता है, किन्तु हम प्राकृतिक आपदा का बहाना गढकर आत्म-संतुष्टि कर लेते हैं या खुद को धोखा देते रहते हैं, जबकि हम सब समझते हैं कि जलवायु परिवर्तन मानव निर्मित गलतियों का नतीजा है। फिर भी हम न तो आत्मसंयम से अनावश्यक वस्तुओं, पदार्थों के उपयोग से बचना चाहते हैं न ही सरकारों के सामने अपनी पर्यावरण विषयक चिंताओं को रखकर दबाव बनाकर नीतिगत बदलाव की मांग रखना चाहते हैं। सरकारें विकास को 'सकल घरेलू उत्पाद' से नापकर आगे बढती हैं, उन्हें पर्यावरण जैसे मुद्दे लुभावने नहीं लगते।

दुनिया भर की सरकारें जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर टालमटोल करते हुए, शर्माते हुए थोडा-बहुत कार्य करती रहती हैं। जब आपदाएं आती हैं तब कुछ गंभीरता दिखाई देती है, लेकिन धीरे-धीरे प्रकृति के ऊपर दोषारोपण करके उसे भी भूल जाती है। इस बार कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी दोनों ने ही इस मुद्दे पर कुछ लक्ष्य अपने-अपने चुनावी घोषणा-पत्रों में रखे हैं, किन्तु पिछले अनुभव के आधार पर ज्यादा आशा नहीं जगती है।

शिमला में 2009 में 'जलवायु सम्मेलन' हुआ था जिसमें हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र को बचाने के लिए कुछ लक्ष्य तय किये गए थे, किन्तु दोनों प्रमुख दलों को पर्याप्त समय मिलने के बाबजूद इस दिशा में विशेष प्रगति नहीं हो सकी। वैश्विक स्तर और हिमालय के स्तर पर जलवायु परिवर्तन की चुनौती के कारण बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के चलते अब समय आ गया है जबकि इस मुद्दे पर आम जनता और राजनैतिक दलों को चुनावी राजनीति के केंद्र में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे को लिया जाना चाहिए, ताकि सरकार गठन के बाद इस मुद्दे पर समुचित कार्य किया जा सके और सरकारों की जवाबदेही भी तय हो। (सप्रेस)

आम चुनावों में गंगा की लहरों पर प्रधानमंत्री

अभी कल ही की बात है जब गङ्गा में क्रूज पर खड़े होकर बढ़ते तापमान में पसीना पोंछते प्रधानमंत्री किसी टीवी चैनल द्वारा प्रायोजित इन्टरव्यू में कह रहे थे कि... मैं दुनिया के नेताओं को गंगा आरती में शामिल करके यह सिखाता हूं कि भक्ति से ही पर्यावरण संतुलन साधा जा सकता है।

प्रधानमंत्री की बात सुनकर उनसे पूछने का मन हुआ कि... गंगा के मार्ग में उसके किनारे के करीब बने कारखाने जो जहरीला कचरा गंगा में बहा रहे हैं क्या वह भी गंगा की भक्ति मानी जायेगी? क्या गंगा के किनारे के तीर्थों को पर्यटक स्थलों में बदल देने से जो पर्यटक कचरा इकट्ठा हो रहा है उससे पानी और पृथ्वी के प्रति भक्ति सुदृढ़ हो रही है? क्या बनारस (प्रधानमंत्री के चुनाव क्षेत्र) के गंगा भक्त जनों की घरेलू नालियां पवित्र गंगाजल से पूरी तरह अपना मुंह मोड़कर कहीं और बहनें लगी हैं? क्या गंगा के तटों पर धर्मपीठों के भव्य भवनों और होटलों का मल-मूत्र गंगा जी में नहीं बह रहा है? गंगा में क्रूज उतारते और फिर बार-बार क्रूज से गंगा पार करते हुए प्रधानमंत्री को देखकर महाकवि तुलसीदास की रची रामकथा याद आने लगी। वे याद दिला गये हैं कि भवसागर को पार करने के लिए तो मनुष्य का शरीर ही एक नौका है। अपने छोटे-से जीवन की छोटी-सी नाव खेते हुए खुद अपना मार्ग खोजना पड़ता है। कोई आधुनिक क्रूज पार नहीं लगा सकता। गंगा क्रूज विलास के लिए नहीं, वह तो जीवन की तलाश के लिए है। वह हमारे होने और न होने (अस्ति और नास्ति) के दो किनारों के बीच न जाने कबसे बह रही है। पार जाने के लिए दो किनारे ही हैं, तीसरा किनारा नहीं।

आम चुनाव

- ध्रुव शुक्ल

धर्मशास्त्र के इतिहास में यह नियम अंकित है कि.. वनों, पर्वतों, पवित्र नदियों और तीर्थों के स्वामी नहीं होते। इन पर किसी का प्रभुत्व नहीं हो सकता। फिर इस नियम के विरुद्ध गंगा में पर्यटन-व्यापार के लिए गंगा विलास क्रूज क्यों उतारे गये हैं? क्या इससे राम की वह गंगा मैली होने से बची रहेगी जिसे पार करने के लिए राम केवट से नाव माँगते हैं? राम गंगा के निर्मल जल की तरंगों को देखकर पुलकित होते हैं और उसे पृथ्वी पर उतार लाने की भगीरथी कथाएं याद करते हैं। गंगा में क्रूज से यात्रा करते प्रधानमंत्री को देखकर किनारों पर खड़ी खाली नौकाएं और अकेले नाविक अपने जीवन में आने वाली विषमता से उपजने वाले दुखों के बारे में सोचकर कितने बेबस जान पड़ते हैं। प्रजातंत्र की गङ्गा के बहते हुए मुक्त जल के किनारों पर अभावग्रस्त जीवन को जात-पांत के छोटे-छोटे पोखरों में छेंककर राजनीतिक क्रूज बिहार चल रहा है और मैली होकर सिकुड़ती गंगा की आरती हो रही है। जो आरती गाते हैं उन्हें आर्तजन कहा जाता है। आर्तजन वे कहलाते हैं जो अभावग्रस्त हैं, मानसिक और दैहिक पुरुषार्थ करने में पूरी तरह समर्थ नहीं हैं। जब उनकी पुकार कोई नहीं सुनता तो वे आरती गाकर उस ईश्वर से उम्मीद लगाते हैं जिसे उनने भले न जाना हो फिर भी वे उससे कहते ही रहते हैं कि...हमारी सहायता करो। अब तो नदियों के किनारे भरते कुंभ के मेलों में, तीर्थों में स्थापित प्राचीन मंदिरों में आर्तजनों की भीड़ बहुत देखी जाती है। जहां इन आर्तजनों की ईश्वर के प्रति पुकार भी अब राजनीतिक शोर में दबती जा रही है।

इन आर्तजनों की भीड़ के बीच उनके चुने हुए जन प्रतिनिधि उन शासकों के रूप में उपस्थित रहते हैं जिन्होंने आर्तजनों को सामाजिक और आर्थिक न्याय देने की शपथ ली है। देश में बड़े पैमाने पर आर्तजनों की आरती की गूंज यह दर्शाती है कि राज्य व्यवस्था उनकी सहायता करने में विफल हो चुकी है। राम को केवट के रूप में बिना कोई उतराई लिए गंगा पार उतारने वाले ये साधारण जन कितने असहाय जान पड़ते हैं। गङ्गा की लहरों पर प्रवाहित इनके जलते-बुझते दीयों की कितनी बेचैन-सी रौशनी झिलमिलाती है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

केदार शर्मा

लेखक व्यंग्यकार हैं

पानी के नाम-सड़क पर लगाया जाम

नत्थू ऑफिस जाने के लिए तैयार हो गया था। उसने पत्नी से कहा-'क्या बात है भाग्यवान? आज नहीं रहा तुम्हें नाश्ते का ध्यान, टिफिन का भी नहीं अता-पता है, आखिर हुई क्या मुझसे खता है ? वो बोली-'घर में पानी नहीं है,आपसे कोई बात अनजानी नहीं है। पिछले दो दिन से नल नहीं आ रहा है। परिंडे में सूखा छा रहा है। आज चूल्हा नहीं जलेगा,जाहिर है खाना नहीं बनेगा।आज सड़क पर जाम लगाएंगे,जलदाय विभाग वालों को नाकों चने चबवाएँगे। आज सड़क पर ट्रेफिक जाम होगा,तभी हमारा काम होगा। नत्थू ने समझाया-'देखो भाग्यवान ! यह ठीक नहीं है। पानी के दफ्तर जाओ और वहाँ दरख्वास्त लगाओ। कुम्हार अपनी पत्नी से नहीं जीत पाए तो इसका मतलब यह नहीं कि वह गधे के कान ऐंठता जाए ।यह न्याय नहीं कि पानी के नाम,कोई सड़क पर लगाए जाम। नत्थू ने समझाया पर पत्नी को नहीं भाया।

आखिर नत्थू को भी ऑफिस के लिए रवाना होना पड़ा,पेट में कूदते चूहों का बोझ ढोना पड़ा। अपनी गली से निकलकर जब सड़क पर गया तो देखा अद्भुद नजारा । 'नलों में पानी दो,पानी दो ' लोगों की जबान पर था बस यही नारा। बीच सड़क पर रखे थे पत्थर भारी। कमर कसकर मोर्चे पर महिलाएँ खड़ी थीं सारी। उनकी नजर बीच सड़क पर गड़ी थीं। सड़क के दोनों ओर भीड़ अब बढ़ी थी । होर्न की आवाजें कानों में बज रही थीं । उधर सड़क आड़ी लगी बल्लियों से सज रही थी । कसूर पानी का हो सकता है पर सजा सड़क क्यों पा रही थी ? नत्थू ने कहा-'मेहरबानी करके इस सड़क को मत सताओ,इसका कसूर क्या है यह मुझे बताओ ।

तभी एक मोहतरमा आगे आई, बोली-'आप पानी वाले अफसरों को बुलाओ और सूखते नलों को पानी से नहलाओ । हम सड़क को छोड़ देंगे, अपना रुख मोड़ लेंगे। तभी भीड़ में से किसी बंदे ने अफसर को फोन लगाया-'हलो सर, मैं फलां कॉलोनी के सामने की सड़क से बोल रहा हूं । यहां सड़क को बंधक बना लिया गया है।दोनो ओर वाहनों की रेलमपेल है,वाहन चालक मचा रहे ठेलम-ठेल है। दो पाटों के बीच में फँसी सड़क चुपचाप सहमी सी पड़ी है। हाथों में लाठियां लिए भीड़ पानी के लिए अड़ी है।नलों में पानी नहीं आने के पीछे इस जाम में फँसी भीड़ का कोई हाथ नहीं है।सपोर्ट में राहगीरों के कोई साथ नहीं है। वाहनों के होर्न अलग-अलग आवाज में चिंचिया रहे हैं। गहरी वेदना से पिपिया रहे हैं। कोई कह रहा है मेरे मालिक की परीक्षा छूट जाएगी, कोई रो रहा है मेरे मरीज की साँस टूट जाएगी । नत्थू बोला-'हाय ! ऑफिस में मेरी भी गैरहाजिरी लग जाएगी। हमारी सड़क के लिए पानी की फिरौती देकर इसे शीघ्र छुड़वा लो। राहगीरों का क्या कसूर है,जो गन्तव्य हुए दूर है।

तभी एक और मोहतरमा आँखें तरेर कर बोली..ज्यादा चिल्लाओ मत । लोगों को यूं बरगलाओ मत । लोकतंत्र में अपनी माँगों के लिए सड़क या रेल की पटरी को बंधक बनाना कोई नई बात नहीं है। यहां तो एरोप्लेन तक की औकात नहीं है। तभी सायरन बजाती अफसरों की गाडियां आई। महिलाओं ने उनको खूब खरी-खोटी सुनाई । उनको लाल-पीली कर आँखें दिखाई।

तभी माईक से आवाज आई-' सुनो,सुनो,सुनो ! आपके घरों में पानी आ गया है । सुनकर सभी महिलाएं मैदान छोड़कर घरों की ओर भागी। देखते-देखते सड़क खाली हो गई।बंधन में बंधी सड़क की बहाली हो गई । नलों से नीर निकलने लगा और फिर से चूल्हा जलने लगा। महकमें के लोग पुलिस वालों के संग पत्थर और बल्लियां हटा रहे थे ।अब धड़ाके से लोग आ जा रहे थे।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस (16 मई)

डेंगू से बचाव के लिए रहें अलर्ट डेंगू के जोखिम की न हो अनदेखी

डेंगू अब ऐसी घातक बीमारियों में शामिल है, जिसका समय से इलाज नहीं मिलने पर यह जानलेवा हो सकता है। इसीलिए डेंगू को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है।

योगेश कुमार गोयल

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

डेंगू वैसे तो प्रतिवर्ष खासकर बारिश के मौसम में लोगों पर कहर बनकर टूटता है लेकिन कुछ राज्यों में इसके कारण महामारी जैसे हालात नजर आने लगे हैं और सैंकड़ों लोगों की मौत भी होती है। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। हालांकि डेंगू की दस्तक तो हर साल सुनाई पड़ती है किन्तु हर तीन-चार वर्ष के अंतराल पर डेंगू एक महामारी के रूप में उभरकर सामने आता है और तभी हमारी सरकारें तथा स्थानीय प्रशासन कुम्भकर्णी नींद से जागते हैं। प्रतिवर्ष मानसून के बाद देशभर में डेंगू के कई हजार मामले सामने आते हैं। डेंगू की दस्तक के बाद डॉक्टरों व प्रशासन द्वारा आम जनता को कुछ हिदायतें दी जाती हैं लेकिन डॉक्टर व प्रशासन इस मामले में खुद कितने लापरवाह रहे हैं, इसका उदाहरण डेंगू फैलने के बाद भी कमोवेश सभी राज्यों में जगह-जगह पर फैले कचरे और गंदगी के ढ़ेर तथा विभिन्न अस्पतालों में सही तरीके से साफ-सफाई न होने और अस्पतालों में भी मच्छरों का प्रकोप हर साल देखकर स्पष्ट रूप से मिलता रहा है।

डेंगू बुखार एक वायरल संक्रमण है। यह एक खतरनाक बीमारी है, जो ऐडीस मच्छर के काटने से होती है, जो हमारे घरों के आसपास खड़े पानी में ही पनपता है। ऐडीस मच्छर काले रंग का स्पॉटेड मच्छर होता है, जो प्रायः दिन में ही काटता है। डेंगू का वायरस शरीर में प्रविष्ट होने के बाद सीधे शरीर के प्रतिरोधी तंत्र पर हमला करता है। इस मच्छर का सफाया करके ही इस बीमारी से पूरी तरह से बचा जा सकता है। प्रायः मानसून के बाद ही डेंगू के ज्यादा मामले देखने को मिलते हैं। डेंगू प्रायः दो से पांच दिनों के भीतर गंभीर रूप धारण कर लेता है। ऐसी स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो सकता है और रोगी समझने लगता है कि वह ठीक हो गया है लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है बल्कि यह स्थिति और भी खतरनाक होती है। अतः बेहद जरूरी है कि आपको पता हो कि डेंगू बुखार होने पर शरीर में क्या-क्या प्रमुख लक्षण उभरते हैं। डेंगू के अधिकांश लक्षण मलेरिया से मिलते-जुलते होते हैं लेकिन कुछ लक्षण अलग भी होते हैं। तेज बुखार, गले में खराश, ठंड लगना, बहुत तेज सिरदर्द, थकावट, कमर व आंखों की पुतलियों में दर्द, मसूडों, नाक, गुदा व मूत्र नलिका से खून आना, मितली व उल्टी आना, मांसपेशियों व जोड़ों में असहनीय दर्द, हीमोग्लोबिन के स्तर में वृद्धि, शरीर पर लाल चकते (खासकर छाती पर लाल-लाल दाने उभर आना), रक्त प्लेटलेट (बिम्बाणुओं) की संख्या में भारी गिरावट इत्यादि डेंगू के प्रमुख लक्षण हैं।

कैसे हो डेंगू से बचाव?

बीमारी कोई भी हो, उसके उपचार से बेहतर उससे बचाव ही होता है और डेंगू के मामले में तो बचाव ही सबसे बड़ा हथियार माना गया है। इसीलिए बारिश के मौसम से पहले ही लोगों को इसके बारे में जागरूक करना बेहद जरूरी हो जाता है क्योंकि उचित सावधानियां और सतर्कता बरतकर ही इस जानलेवा बीमारी से बचा जा सकता है। घर की साफ-सफाई का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है। आपके घर या आसपास के क्षेत्र में डेंगू का प्रकोप न हो, इसके लिए जरूरी है कि मच्छरों के उन्मूलन का विशेष प्रयास हो। डेंगू फैलाने वाले मच्छरों का पनपना रोकें। कुछ अन्य जरूरी बातों पर ध्यान देना भी बेहद जरूरी है। जैसे, अपने घर में या आसपास पानी जमा न होने दें। जमा पानी के ऐसे स्रोत ही डेंगू मच्छरों की उत्पत्ति के प्रमुख कारक होते हैं। यदि कहीं पानी इकट्ठा हो तो उसमें केरोसीन ऑयल या पैट्रोल डाल दें ताकि वहां मच्छरों का सफाया हो जाए। पानी के बर्तनों, टंकियों इत्यादि को अच्छी प्रकार से ढ़ककर रखें। कूलर में पानी बदलते रहें। यदि कूलर में कुछ दिनों के लिए पानी का इस्तेमाल न कर रहे हों तो इसका पानी निकालकर कपड़े से अच्छी तरह पोंछकर कूलर को सुखा दें। खाली बर्तन, खाली डिब्बे, टायर, गमले, मटके, बोतल इत्यादि में पानी एकत्रित न होने दें। बेहतर यही होगा कि ऐसे कबाड़ और इस्तेमाल न होने वाले टायर इत्यादि को नष्ट कर दें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कहीं भी पानी जमा होकर सड़ न रहा हो। घर के दरवाजों, खिड़कियों तथा रोशनदानों पर जाली लगवाएं ताकि घर में मच्छरों का प्रवेश बाधित किया जा सके। पूरी बाजू के कपड़े पहनें। हाथ-पैरों को अच्छी तरह ढ़ककर रखें। मच्छरों से बचने के लिए मॉस्कीटो रिपेलेंट्स का प्रयोग कर सकते हैं लेकिन सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करना मच्छरों से बचाव का सस्ता, सरल, प्रभावी और हानिरहित उपाय है। डेंगू के लक्षण उभरने पर तुरंत योग्य चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।

अगर हो जाए डेंगू!

डेंगू हो जाने पर रोगी को हर हाल में पौष्टिक और संतुलित आहार देते रहना बेहद जरूरी है। डेंगू होने पर तुलसी का उपयोग बेहद लाभकरी है। आठ-दस तुलसी के पत्तों का रस शहद के साथ मिलाकर लें या तुलसी के 10-15 पत्तों को एक गिलास पानी में उबाल लें और जब पानी आधा रह जाए, तब पी लें। नारियल पानी पीएं, जिसमें काफी मात्रा में इलैक्ट्रोलाइट्स होते हैं, साथ ही यह मिनरल्स का भी अच्छा स्रोत है, जो शरीर में ब्लड सेल्स की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं। विटामिन सी शरीर के इम्यून सिस्टम को सही रखने में मददगार होता है। इसलिए आंवला, संतरा, मौसमी जैसे विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करें। बुखार होने पर पैरासिटामोल का इस्तेमाल करें और ध्यान रखें कि बुखार किसी भी हालत में ज्यादा न बढ़ने पाए लेकिन ऐसे मरीजों को एस्प्रिन, ब्रूफिन इत्यादि दर्दनाशक दवाएं बिल्कुल न दें क्योंकि इनका विपरीत प्रभाव हो सकता है। हां, उल्टियां होने पर रोगी को नसों द्वारा ग्लूकोज चढ़ाना अनिवार्य है। स्थिति थोड़ी भी बिगड़ती देख तुरंत अपने चिकित्सक से सम्पर्क करें।

दृष्टिकोण

आप 'दाता' हैं तो वोट देकर भूल क्यों नहीं जाते

अब बात लोकसभा चुनाव की। चौथे चरण के लिये मतदान संपन्न होते ही मध्यप्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर मतदान का काम पूरा हो गया है । प्रदेश के इन्दौर लोकसभा क्षेत्र में भी वोट डल चुके हैं लेकिन वहाँ के परिणाम को लेकर उत्सुकता सिर्फ इतनी है कि चुनाव में 'नोटा' का कितना प्रभाव पड़ा । इसके लिये 4 जून तक इंतज़ार करना होगा। इन्दौर के हमारे मीडिया के पुराने साथियों और मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इस बार वहाँ नोटा अपना रंग दिखा सकता है, भले ही नतीजे सभी को विदित क्यों ना हो। एक राजनीतिक दल विशेष और कुछ जागरूक लोगों ने इस अभियान को हवा दी है। इस दल के घोषित उम्मीदवार के आखिरी क्षणो मे पाला बदलने से यह स्थिति निर्मित हुई है। सो, इंदौर इस बार नोटा की वजह से सुर्खियों में है ।

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

आप और हम सभी मतदाता हैं यानी दाता हैं । दाता का अर्थ है देने या प्रदान करने वाले। चाहे वह कोई वस्तु दे, धनराशि दे या अपने मताधिकार का उपयोग कर अपना वोट दे। देने वाला दाता है तो दान लेने वाला कोई याचक ही हो सकता है। आप दाता हैं तो अपना अमूल्य वोट देकर बगैर परिणाम की परवाह किये इसे भूल जाइये। क्योंकि इस बात को लेकर चिंतित होने या यूंही इसे याद रखने का कोई मतलब तो है नहीं। मत का दान लेने वाला भी जीत हारकर इस बात को तूल देने वाला है नहीं। आप उसके लिये महज एक वोट ही तो हैं। सो, मतदान आपका संवैधानिक अधिकार हैं जिसका उपयोग आप कर चुके हैं और कुछ लोग आने वाले कुछ दिनों में करने वाले हैं फिर व्यर्थ ही 4 जून तक इसकी चर्चा और बेसब्री से प्रतीक्षा भी क्यों करना।

महाभारत काल का एक सबसे बड़ा उदाहरण हमारे सामने है। भगवान श्रीकृष्ण जानते थे कि कवच कुण्डलधारी दानवीर कर्ण को पराजित किये बिना उनके प्रिय सखा अर्जुन महाभारत का युद्ध जीत नहीं सकते। इसलिये उन्होंने कर्ण से उसके कवच कुण्डल ही मांग लिये थे। कर्ण का नियम था कि स्नान के पश्चात जल से बाहर निकलने पर उससे जो भी मांगा जायेगा वे सहर्ष उसे दान कर देंगे। कर्ण ने अपने रक्षक कवच कुण्डल दान कर दिये जिससे वो विशिष्ट अजेय योद्धा नहीं रहे। अंततः वही हुआ महाभारत युद्ध में अर्जुन के हाथों कर्ण का वध हो जाता है।

उधर श्रीमद्भागवत महा पुराण में एक प्रसंग में वर्णित है कि राजा नल ने अपने संकल्प के अनुसार लाखों गायों का दान किया था। लेकिन एक ब्राम्हण को गोदान करते समय उनसे त्रुटि हो जाने पर उन्हें श्राप लगने से गिरगिट बनना पड़ता है। बाद में द्वारका में भगवान श्रीकृष्ण के स्पर्श से राजा नल की मुक्ति होती है। दान के संकल्प और महत्ता को समझने के लिये ये दो उदाहरण ही पर्याप्त है। अब बात लोकसभा चुनाव की। चौथे चरण के लिये मतदान संपन्न होते ही मध्यप्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर मतदान का काम पूरा हो गया है। प्रदेश के इन्दौर लोकसभा क्षेत्र मे भी वोट डल चुके हैं लेकिन वहाँ के परिणाम को लेकर उत्सुकता सिर्फ इतनी है कि चुनाव में 'नोटा' का कितना प्रभाव पड़ा । इसके लिये 4 जून तक इन्तज़ार करना होगा। इन्दौर के हमारे मीडिया के पुराने साथियों और मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इस बार वहाँ नोटा अपना रंग दिखा सकता है, भले ही नतीजे सभी को विदित क्यों ना हो। एक राजनीतिक दल विशेष और कुछ जागरूक लोगों ने इस अभियान को हवा दी है। इस दल के घोषित उम्मीदवार के आखिरी क्षणो मे पाला बदलने से यह स्थिति निर्मित हुई है। सो, इंदौर इस बार नोटा की वजह से सुर्खियों में है ।

देश के सभी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की ओर चलें तो मतदान का चौथा चरण पूरा होते ही तकरीबन दो तिहाई सीटों के लिये वोट डाले जा चुके हैं। अब आगे शेष रही सीटों पर तीन चरण में चुनाव होना है उनमें वाराणसी, राय बरेली, अमेठी आदि समेत राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सभी लोकसभा सीट सहित अन्य महत्वपूर्ण सीटें शामिल है। केजरीवाल की जमानत पर रिहाई के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि दिल्ली, पंजाब और अन्य जगहों पर इसका क्या असर पड़ता है ।

लोकसभा निर्वाचन के लिये मतदान के चारों चरण में मतदान के प्रतिशत का पिछले चुनावों की तुलना में कम होना नतीजों पर क्या असर डालेगा यह भी 4 जून को ही पता चलेगा। हालांकि राजनीतिक विश्लेषक कहते आये हैं कि तीन से पांच प्रतिशत वोट भी इधर-उधर हुए कि इतने में ही खेला होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। मध्यप्रदेश में भी राजगढ, छिंदवाड़ा, खरगोन आदि सीटों को छोड़कर मतदान का प्रतिशत घटा है। दूसरी तरफ जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में मतदान से बरसों पुराना रिकार्ड टूटने की खबर आशा की नई किरण जगाती है। निर्वाचन आयोग की तमाम कोशिशों, प्रशासनिक प्रयासों, आकर्षक स्लोगन, बैनर तथा टेलीविजन चैनल, आकाशवाणी और सोशल नेटवर्क पर धुंआधार प्रचार के बावजूद मतदाता की बेरुखी सिर्फ चिलचिलाती धूप, गर्मी या बारबार बदलता मौसम ही नहीं हो सकता। बल्कि यह स्थिति कुछ ओर ही इंगित करती है ।

पहले भी हम एकाधिक मर्तबा कह चुके हैं कि अपन ने 2024 के लोकसभा निर्वाचन जैसे चुनाव कभी देखे नहीं। पूरे चुनाव अभियान के दौरान (अभी तक) एक अजीब सी ख़ामोशी, सन्नाटा, निर्लिप्तता का भाव छाया रहा है। आप आश्चर्य कर सकते हैं कि इससे ज्यादा सघन प्रचार तो पंचायत चुनाव, नगर निकाय और विधान सभा के चुनाव के दौरान होता रहा है । ना तो किसी उम्मीदवार ने कॉलोनी, मोहल्ले में दस्तक दी ना ही उनके प्रतिनिधि या कार्यकर्ता आये और ना ही हमने कोई पेमपलेट, अपील जैसा कुछ देखा। हालांकि जानकार कहते आये हैं कि लोकसभा चुनाव राष्ट्रीय मुद्दों पर लड़े जाते हैं लेकिन ऐसे मुद्दों का भी एक तरह से अभाव ही देखा गया। जहां तक आरोप प्रत्यारोप और भाषा, शब्दों की बात है तो वे इतने निम्नतम स्तर के रहे कि इतिहास में इन्हें दर्ज करने वाले महानुभाव भी क्या ही सोचेंगे ।

उनका मंदिर बनने की तो खुशी है पर मेरा जीर्णोद्धार कब होगा

प्रभात झा

लेखक स्तंभकार हैं।

भारत में सामान्य तौर पर किसी से भी पूछा जाए कि भगवान श्री राम लला का जन्म कहां हुआ, तो सभी तपाक से उत्तर देंगे अयोध्या। हर भारतीय के जुवां पर यह नाम है। इसी तरह यदि आप पूछें की मां जानकी का जन्म कहां हुआ तो लोग उत्तर देते हैं 'जनकपुर'। जो सरासर गलत है। जनकपुर तो मैं जानकी/सीता जी का ननिहाल और विवाह स्थल है। सत्य यह है कि मां जानकी जहां प्रकट हुई थीं उस स्थान का नाम 'पुनौराधाम' है। यह स्थान बिहार के सीतामढ़ी जिले में सीतामढ़ी शहर से साढ़े तीन किलोमीटर दूर स्थित है। यह वही स्थान है, जहां एक बार अकाल पड़ने पर राजा जनकजी को कहा गया कि आप यदि स्वयं खेत में हल जोतेंगे तो अकाल समाप्त हो जायेगी और वरुण देवता प्रसन्न हो जाएंगे। उस समय जनकपुर भारत का हिस्सा हुआ करता था, पर आज जनकपुर नेपाल में है। पर मां सीताजी का प्राकट्य स्थल पुनौराधाम आज भी भारत में है। इसके शास्त्रों में प्रमाण भी उपलब्ध हैं।

वृहद विष्णुपुराण के मिथिला खंड में वर्णित है कि हम संसार में प्राणियों की सारी मनोकामनाएं पूरी करने वाली विशेष फलदायक यज्ञ स्थली पुण्योर्वरा (पुनौराधाम) की यात्रा और दर्शन विशेषकर चैत्र श्री रामनवमी और वैशाख श्री जानकी नवमी में मोक्ष की अभिलाषी को करने चाहिए, क्योंकि दोनों तिथि क्रमशः श्री राम जी का जन्मदिवस और मां सीता जी का प्राकट्य दिवस है। वर्णन है की एक बार सम्पूर्ण मिथिला में घोर दुर्भिक्ष पड़ गया। अनावृष्टि से मिथिलावासियों में त्राहि-त्राहि मच गईद्य लोग अन्न और जल के अभाव में दम तोड़ने लगेद्य सब जीव-जंतु व्याकुल हो उठे। उस समय मिथिला महाराजा निमि के वंशज राजा जनक राज कर रहे थे। 'यज्ञ से वर्षा होती है और वर्षा के प्रभाव से अन्न उत्पन्न होता है'। इससे प्रभावित होकर राजर्षि जनक ने अपने राज्य के विद्वानों, ऋषि-मुनियों और ज्योतिषियों की आपातकालीन सभा बुलाकर भीषण दुर्भिक्ष की विभीषिका से त्राण पाने के उपाय पर विचार-विमर्श किया। सर्वसम्मत से निर्णय लिया गया कि राजा जनक को हलेष्ठी यज्ञ करना चाहिए। इसके निमित्त शोध के आधार पर पुण्यारण्य (पुण्डरीक आश्रम) को उपयुक्त स्थान के रूप में चयन किया गया।

वृहद विष्णुपुराण के मिथिला माहात्म्य के अष्टम अध्याय में वर्णित है कि राजर्षि जनक का जो प्राचीन दुर्ग था, उसके पारतः पंचकोशी चार विशाल द्वार थे। वे इन दिनों भी वर्तमान जनकपुरधाम से क्रमशः दस मील उत्तर की ओर धनुषा, दस मील दक्षिण की ओर गिरजा स्थान, दस मील पूरब की ओर हरिहरालय महादेव और दस मील पश्चिम जलेश्वरनाथ के नाम से लोक विदित है। यह स्पष्ट है कि महाराजा जनक इसी जलेश्वरनाथ (शिव जी का जलशयन स्थल) से पश्चिम भाग में शास्त्रवत अठासी ऋषियों एवं रानी सुनैना सहित तीन योजना के बाद हलेष्ठी यज्ञार्थ पुण्डरीक आश्रम पुण्यारण्य पधारे थे, जहां हलेष्ठी यज्ञ की सिद्धि प्राप्त हुई और मां जानकी का प्राकट्य हुआ।

पद्मपुराण में वर्णन है कि जानकी नाम तो जनक जी के वंशानुगत जनक शब्द से रखा गया, लेकिन शास्त्रानुसार उनका नाम 'सीता' होना अपेक्षित है, क्योंकि सीत (फार का नुकीला अग्र भाग) और सीता (सिराउर) के संयोग से उत्पत्ति होने के कारण सीता नाम की पुष्टि होती है। जन्म के बाद लौकिक एवं वैदिक रीतियों से वर्षा से बचाने के लिए 'मड़ई' (मढ़ी) में मां सीता जी रखी गईं तथा उस स्थान का नाम सीतामढ़ी हुआ।

पुण्डरीक क्षेत्र अर्थात पुनौराधाम, जहां मां जानकी जी का प्राकट्य हुआ, वहां कई पुरातन स्मृतियां हैं, जिनका वर्णन और वहां की भाषाएं का उल्लेख रामायण, पुराणों, संहिताओं एवं इतिहास के पृष्ठों में स्वर्णाक्षरों में वर्णित है, सनातन में अविस्मरणीय-अमिट है। पुनौराधाम में प्रवेश मात्रा से प्राणी पवित्र हो जाता है। मां जानकी कुण्ड में जलस्पर्श एवं स्नान करने से सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। मां जानकी जन्म कुण्ड को पुण्यनिधि कहा गया है। शास्त्रों-पुराणों में वर्णन है कि यहां तीर्थाटन करने से सभी पापों, संकटों से मुक्ति पाकर श्रद्धालु पुण्यलोक की प्राप्ति कर सकते हैं।

जगतगुरु रामभद्राचार्य जी ने इसका शास्त्रों में प्रमाण देते हुए वर्णन किया है कि 'सीताराम गुणग्राम पुण्यारण्य विहारिणी, वंदे विशुद्ध विज्ञानों कवीश्वर कपीश्वर' (बालकाण्ड संख्या-3)। इसका अर्थ है कि श्री सीताराम जी के गुण समूह रूपी पवित्रता में विहार करने वाली पुण्यारण्य अर्थात पुनौराधाम विशुद्ध विज्ञान संपन्न कवीश्वर श्री वाल्मीकि जी और कपीश्वर श्री हनुमान जी की मैं वंदना करता हूं।

जगतगुरु रामभद्राचार्य जी गत 12 वर्षों से लगातार पुनौराधाम में जानकी नवमी आने के नौ दिन पूर्व से जगत जननी मां जानकी की जन्म स्थली पर नौ दिन कथा कर जानकी नवमी सम्पन्न कर समाज को सदैव संदेश देते हैं कि 'पुनौराधाम' ही मां जानकी का प्राकट्यस्थल है। मैं और जगतगुरु रामभद्राचार्य जी बिहार के तत्कालीन राज्यपाल के साथ-साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को इस आशय की जानकारी भी दीद्य आजादी के बाद पहली बार कोई संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्तित्व तत्कालीन राज्यपाल और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी पुनौराधाम पहुंचे। उन्होंने हजारों की सभा में कहा कि 'पुनौराधाम के बारे में तो मुझे पता ही नहीं था कि यह मां जानकी जी का प्राकट्यस्थल है। यह तो मैं प्रभात झा जी जो हमारे मिथिला के ही गौरव हैं, ने जब बताया तो जानकारी मिली। जगतगुरु रामभद्राचार्य जी ने कहा कि आप जानकी नवमी पर आईये तो मैं वहां पहुंचा'। नीतीश जी ने कहा कि बिहार सरकार पुनौराधाम स्थित मां जानकी के प्राकट्यस्थल का धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विस्तार करने की दिशा में अनेक कदम भविष्य में उठाये जाएंगे।

अयोध्या में भगवान रामलला का भव्य और दिव्य मंदिर वर्षों के संघर्ष के बाद न्यायालय के फैसले से बनकर तैयार हो गया। अभी अयोध्या में भगवान रामलला के मंदिर का प्रथम चरण बना है जिसकी जिसकी प्राणप्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को स्वयं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों द्वारा किया गया। कहा जाता है कि 'बिना राम के सीता नहीं और बिना सीता के राम नहीं'। पूरे विश्व से अयोध्या में बने भगवान रामलला के भव्य दिव्य मंदिर के दर्शनार्थ आज लाखों लोग पधार रहे हैं। अयोध्या का विकास इतना हो रहा है कि आने वाले दिनों में अयोध्या विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन स्थल बन जाएगा। ऐसा होना हमारी आध्यात्मिक शक्ति को बढ़ाएगा भी।

पर दूसरी ओर, मां जानकी (सीताजी) का प्राकट्यस्थल पर न चर्च है , न मस्जिद है, न किसी तरह का जमीनी विवाद है, और तो और वहां मां जानकी का एक छोटा मंदिर भी बना है। वहां वह स्थल भी मौजूद है जहां राजा जनक ने हल जाता था और मां 'सीता' हल जोतते समय एक मटके से हल के अगले हिस्से जिसे 'सीत' कहा जाता है, के लगने से प्रकट हुईं। 'सीत' जो हल का अगला हिस्सा होता है उसके लगने से ही मां सीता प्रकट हुईं। 'सीत' के कारण ही उनका नाम 'सीता' पड़ा । पुनौराधाम से राजा जनक ने उन्हें एक 'मढ़ी' में लेकर गए, आज जिसे 'सीतामढ़ी' कहा जाता है। उसके पीछे की कहानी जानकार लोग यही कहते हैं।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी भी जब भी अयोध्या में गए थे जय श्री राम नहीं बोले वह हमेशा 'जय सियाराम' ही बोले। अब सवाल उठता है की मां जानकी सीता जी के प्रकट स्थल का जीर्णोद्धार कब होगा। जगतगुरु रामभद्राचार्य जी ने प्रण लिया हुआ है कि जब तक मां सीता जी के प्रकट स्थल का जीर्णोद्धार और यह भारत का श्रेष्ठ धाम नहीं बनेगा मेरी कथा सदैव जानकी नवमी पर यहां होती रहेगी। मैं स्वयं राज्यसभा में भी पुनौरा धाम का मामला और वहां मां जानकी के प्राकट्य स्थल के संपूर्ण विकास का मामला उठाया था सदन में सभी दलों ने इसका समर्थन भी किया था। बहुत मुश्किल से भारत में लोगों को अब यह जानकारी हुई है कि पुनौराधाम जो सीतामढ़ी से मात्र साढ़े तीन किलोमीटर दूर है, मां सीता का प्राकट्यस्थल है। नहीं तो लोगों के मन में तो अभी भी जनकपुर का नाम ही बैठा था।

जनकपुर इसलिए प्रसिद्ध हुआ कि वहां मां जानकी ने भगवान शंकर के धनुष को सहज उठाकर रख दिया था। यह देख राजा दशरथ आश्चर्यचकित हो गए इसके बाद उन्होंने घोषणा की थी की जो व्यक्ति इस धनुष को उठा लेगा मैं उसी से अपनी बेटी सीता का विवाह कर दूंगा। जनकपुर में बहुत लोग आए पर सभी को ज्ञात है कि भगवान श्री राम ने ही वह धनुष उठाया प्रत्यंचा चढ़ा दी इसके बाद मां सीता का स्वयंवर रचा और भगवान श्री राम से उनका विवाह हुआ।

पुनौराधाम भारत के बिहार राज्य में स्थित सीतामढ़ी में है। अतः भारत सरकार और बिहार सरकार का यह आध्यात्मिक और नैतिक दायित्व बनता है की पुनौराधाम को भारत का श्रेष्ठ धाम बनाने की दिशा में पुरजोर प्रयास करें। अयोध्या स्थित रामलाल के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए निमित्त ट्रस्ट से जुड़े श्री कामेश्वर चौपाल जी, जिन्होंने भव्य राम मंदिर के निर्माण की पहली ईट सबसे पहले लगाई थी का कहना है कि बिहार सरकार पुनौराधाम ट्रस्ट को यदि हमारे अयोध्या स्थित ट्रस्ट को सौंप दे तो हम सभी पुनौराधाम को अयोध्या की तर्ज पर भव्य दिव्य मंदिर और भारत का श्रेष्ठ धार्मिक पर्यटन बनाने की दिशा में विचार कर सकते हैं। उनका भी मानना है कि अयोध्या की मान्यता विश्व में भगवान राम लला को लेकर है तो मां सीता जी (मां जानकी)को लेकर पुनौराधाम का नाम विश्व में क्यों नहीं हो सकता। भारत की जनता अब पुनौराधाम आने लगी है। जानकी नवमी को वहां बहुत बड़ा मेला लगता है। प्राकृतिक कुंड के सामने जानकी नवमी वाले दिन जगत गुरु रामभद्राचार्य जी पूजा अर्चना कर सभी को आशीर्वाद देते हैं। वहां 9 दिन तक भंडारा चलता है। देश भर से माता बहने आती हैं और अपने-अपने नवजात बच्चों और अनय बच्चों के सर पर मां जानकी के प्राकट्यस्थल का रज लगती है। यहां कहावत कहीं जाती है कि यहां का रज जिस नवजात बच्चे की ललाट पर लगता है उसमें लव कुश के संस्कार सहज आ जाते हैं। जगत जननी मां सच में इंतजार कर रही है कि और कह रही है कि 'जिनके कारण मेरा धरा पर अस्तित्व है उनका भव्य मंदिर बनने पर मैं बहुत खुश हूं पर मैं भी उनके साथ पतिव्रता अर्धांगिनी बनकर सदैव हर समय खड़ी रही, तो मेरे साथ भी न्याय होना चाहिए'।

खनन माफिया के विरूद्ध कलेक्टर ने की बड़ी कार्रवाई

18 घंटे चली कार्रवाई में 20 करोड़ रुपए की रेत जप्त

- 31 डम्पर, 8 पोकलैंड जब्त, एक के विरुद्ध एफआईआर

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी एवं पुलिस अधीक्षक निश्चल एन झारिया के निर्देशन में अवैध उत्खनन के विरूद्ध बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा माफियाओं के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देशों के अनुपालन में मंगलवार की रात 9.30 बजे चार स्थानों डेंडूपुरा, पासईमाल, चिमड़ी, गुवाड़ी ग्राम में खनिज, पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने अवैध उत्खनन के विरूद्ध कार्रवाई की। इस कार्रवाई में 20 करोड़ रूपए की रेत, 31 डम्पर, 8 पोकलैंड मशीन जब्त की गई। एक पोकलैंड मशीन वाहन चालक जप्ती के बाद लेकर भाग निकला, जिसके विरूद्ध एफआईआर की कार्रवाई की जा रही है।

पासईमाल में चैन पोकलेण्ड जप्त – खनिज अधिकारी श्री पालेवार द्वारा बताया गया कि कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार ग्राम पासईमाल में अवैध उत्खनन की शिकायत प्राप्त होने पर खनिज विभाग और अमला की राजस्व टीम द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया गया। टीम द्वारा तवा नदी के पार क्षेत्र के आंशिक भाग पर अवैध उत्खनन के बाद के निर्मित गड्ढे पाए गए। टीम द्वारा तीनों गड्ढे की नपाई की गई। मौके पर निरीक्षण टीम को चैन पोकलैंड मशीन जब्त की गई। अज्ञात में जब्त उक्त मशीन को जब्त करने की कार्रवाई की गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अवैध उत्खनन के कार्य में दीपेश पटेल, रवीन्द्र चौहान, प्रदीप दुबे एवं अन्य के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है।

ग्राम डेंडूपुरा में जब्त किए डम्पर–– राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने उसके बाद ग्राम डेडूपुरा खनिज एवं राजस्व अमले शाहपुर के साथ खसरा नं.7/2 का मौके पर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आंशिक भाग में खनिज रेत का अवैध भंडारण होना पाया गया। भंडारित रेत 700 घन मीटर होना पाया गया। मौके पर एक जेसीबी मशीन पीले रंग की जब्त की गई। मशीन की अज्ञात में जब्त की गई। भंडारित रेत सामग्री व जेसीबी को ग्राम कोटवार पासईमाल की सुपुर्दगी में दिया गया। उपस्थित लोगों द्वारा अवैध भंडारण के लिए अरशद कुरैशी को जिम्मेदार ठहराया है। रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं अवैध भंडारण की शिकायत प्राप्त होने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शाहपुर, तहसीलदार शाहपुर एवं राजस्व अमला शाहपुर तथा खनिज अधिकारी बैतूल की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम गुवाड़ी स्थित रेत भंडारण स्थल का निरीक्षण किया गया।

जांच करने मौका स्थल पहुंचने पर रेत परिवहन कर रहे वाहनों के चालकों द्वारा रेत को खाली कर ग्राम चिमड़ी के सिवाना (मेढ़ा) निर्माणाधीन हल्दीराम रिसोर्ट के पीछे वाहनों को खड़ा कर मौके से भाग गए। मौका स्थल पर रात्रि का समय होने के कारण वाहनों से खाली की गई खनिज रेत की मात्रा को ज्ञात नहीं किया गया। ग्राम चिमड़ी के सिवाना क्षेत्र पर खाली 31 डम्पर खड़े पाए गए, जिनके चालक मौके पर उपस्थित नहीं होने के कारण वाहनों को लावारिस जप्त किया गया। मौका स्थल पर जांच दल के सदस्य एवं थाना चोपना का पुलिस बल मौजूद रहा।

3172 घ.मी. अतिरिक्त डम्प रेत जब्त– अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शाहपुर, तहसीलदार शाहपुर एवं राजस्व अमला शाहपुर तथा उप संचालक सहायक खनिज अधिकारी बैतूल की संयुक्त टीम द्वारा शाहपुर के ग्राम गुवाड़ी खसरा नंबर 230/2 रकबा 2.040 हे स्वीकृत रेत खनिज भंडारण स्थल का निरीक्षण किया गया। मौके पर पहुंचकर जांच करने पर अनेक स्थलों पर रेत खनिज का भंडारण किया जाना पाया गया। उक्त क्षेत्र पर जिले के रेत ठेकेदार, मेसर्स परम डिस्ट्रीब्यूटर्स परम फीलिंग स्टेशन 103/2जी छोला रोड भोपाल को स्वीकृत है। मौका निरीक्षण करने पर स्वीकृत क्षेत्र के अतिरिक्त अनेक स्थलों पर रेत के छोटे बड़े ढेर पाए गए। डम्प रेत 137310 घनमीटर पाई गई जो स्वीकृत क्षेत्र से 3172 घन मीटर अधिक निकली। जांच के समय रेत ठेकेदार भंडारण अनुज्ञप्तिधारी के कोई भी व्यक्ति/प्रतिनिधि उपस्थित नहीं थे। मौके पर उपलब्ध रेत मात्रा को लावारिश जब्त कर सुरक्षार्थ मौके पर उपस्थित ग्राम रोजगार सहायक एवं प्रभारी सचिव श्री अशोक बारस्कर को सुपुर्दगी में दिया गया।

कलेक्टर सूर्यवंशी ने ली राजस्व सहायकों की क्लास

31 अक्टूबर तक राजस्व वसूली के लक्ष्य को करें पूरा

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने राजस्व सहायकों से कहा कि किसी भी बड़े वृक्ष का ट्रीटमेंट करना है तो सबसे पहले उसकी जड़ों का ट्रीटमेंट करना चाहिए और इसलिए मैं राजस्व प्रकरणों पर आपसे चर्चा कर रहा हूं। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आयोजित जिले के राजस्व सहायक एवं रीडर्स से राजस्व प्रकरणों के संधारण, प्रस्तुतीकरण एवं निराकरण की प्रक्रिया पर कलेक्टर बिन्दूवार चर्चा कर रहे थे। उन्होंने राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए एक-एक व्यक्ति से एक-एक स्टेप की जानकारी प्राप्त की। वे लंबित राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर कर्मचारियों के साथ रूबरू चर्चा कर रहे थे।

समय सीमा में नहीं, तुरंत करें कार्रवाई– कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि आप लोग प्रकरणों को समय सीमा में निपटाने का इंतजार न करें बल्कि आवेदन प्राप्त होते ही उस पर तत्काल कार्रवाई प्रारंभ करें। जनसुनवाई में एवं सीधे आने वाले अधिकतर आवेदन राजस्व संबंधी शिकायतों के होने से राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए मुहिम चलाकर कार्रवाई की गई थी। इसके बावजूद भी अधिकतर शिकायतें राजस्व से संबंधित ही आती है। जिसमें नक्शे, भूमि नामांकन, सीमांकन आदि संबंधित शिकायतें है। उन्होंने कहा कि प्रकरणों का संधारण हैड के अनुसार करें, न कि तिथिवार। इससे प्रकरणों के संधारण में सहूलियत होगी।

आरसीएमएस पर प्रकरण दर्ज करें– श्री सूर्यवंशी ने राजस्व आरसीएमएस में दर्ज प्रकरणों पर चर्चा करते हुए कहा कि नागरिकों की सुविधा के लिए लोक सेवा केंद्र के अलावा अब एमपी ऑनलाइन और सीएससी के कियोस्क के माध्यम से भी आरसीएमएस पर प्रकरण दर्ज कराए जा रहे है। राजस्व अधिकारियों द्वारा समय सीमा पार कर चुके लंबित प्रकरणों को चिन्हित कर न्यायालय में नियमित सुनवाई आयोजित कर नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती के प्रकरणों का निराकरण किया जाए। पुराने प्रकरणों के निराकरण में प्राथमिकता दे।

नोटिस तामील कराना अति महत्वपूर्ण– कलेक्टर ने कहा कि नोटिस का तामिला कराना प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण भाग है। नोटिस तामील कराने के लिए जमादार पर ही निर्भर न रहे। उसकी अपनी सीमाएं है। पटवारी के माध्यम से नोटिस तामिल कराएं। पटवारी फील्ड में कार्य करते है इसलिए नोटिस तामिल कराना उनके लिए सहज होगा। नोटिस तामील कराने के लिए विभिन्न संचार माध्यमों का भी उपयोग कर सकते है। समाचार पत्रों में प्रकाशन, सोशल मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का उपयोग कर सकते है।

31 अक्टूबर तक वसूली लक्ष्य करें पूरा– जिला दंडाधिकारी श्री सूर्यवंशी ने राजस्व निरीक्षकों से कहा कि राजस्व वसूली की कार्रवाई में आप लोग तेजी लाए। आगामी 5 माह में राजस्व के टारगेट को पूरा करें। उन्होंने कहा कि राजस्व निरीक्षकों की पाक्षिक बैठक शीघ्र ही आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर एडीएम जेपी सैय्याम, राजीव नंदन श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर अनिल सोनी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी मकसूद अहमद, एसडीएम मुलताई तृप्ति पटेरिया, एसडीएम आमला बड़ोनिया, एसडीएम घोड़ाडोंगरी एवं तहसीलदार आदि उपस्थित थे।

मान्या तिवारी ने 96 प्रतिशत अंक लाकर सतपुड़ा वैली में टॉप किया

बैतूल। सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल सीबीएससी कक्षा दसवीं की छात्रा मान्या तिवारी ने 500 में से 480 (96 प्रतिशत) अंक लेकर स्कूल में टॉप किया कर अपने स्कूल एवं परिजनों का नाम रोशन किया है। मेधावी मान्या तिवारी वरिष्ठ अधिवक्ता चन्द्रशेखर तिवारी एवं शासकीय कन्या शाला गंज की व्याख्याता सारिका तिवारी की पुत्री है। मान्या तिवारी को मिली सफलता पर सतपुडा वैली पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर दीपाली निलय डागा, प्राचार्य जया चक्रवर्ती,मैनेजर शिवशंकर मालवीय एवं स्कूल स्टाफ ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अधिवक्ता शेखर तिवारी के सेंट्रल नोटरी बनने पर दी बधाई

बैतूल। वरिष्ठ अधिवक्ता शेखर तिवारी का सेंट्रल नोटरी के लिए चयन हुआ है। भारत सरकार की मिनिस्ट्री ऑफ ला एंड जस्टिस डिपार्टमेंट ऑफ लीगल अफेयर्स के नोटरी सेल ने मध्यप्रदेश के लिए सेंट्रल नोटरी की नियुक्ति की, मंगलवार को लिस्ट जारी की है, जिसमें सिविल कोर्ट बैतूल के वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्रशेखर तिवारी को सेंट्रल नोटरी नियुक्त किया है। श्री तिवारी की नियुक्ति पर अधिवक्ताओं एवं मित्रों ने बधाई दी है।

जेएच कालेज के सामने से नगर पालिका ने हटाया अतिक्रमण

बैतूल। जिला मुख्यालय पर जेएच कॉलेज के सामने से नगर पालिका बैतूल ने मंगलवार को अवैध अतिक्रमण हटाया। इसमें तीन अवैध गुमटी और बाली, पाल, पर्दे जप्त किए गए हैं। नगर पालिका के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि अतिक्रमणकारियों को सुबह ही सूचित कर दिया गया था कि अपना अवैध अतिक्रमण यहां से हटा ले, अन्यथा जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। इसमें कुछ लोगों ने खुद ही अपना अधिकांश हटा लिया था और कुछ हटा रहे हैं वही जिन दुकानों पर कोई नहीं था उन्हें नगर पालिका की टीम ने जप्त कर लिया है।

बेसहारा परिवार का सहारा बनी राष्ट्रीय हिन्दू सेना

संगठन ने मृत युवक का विधिवत किया अंतिम संस्कार

बैतूल। राष्ट्रीय हिन्दू सेना ने एक संकल्प लिया था कि जिले में कहीं भी ज्ञात-अज्ञात लाश जिनका अंतिम संस्कार नहीं होने में दिक्कतें हो रहीं हैं उनका तत्परता के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। राष्ट्रीय हिन्दू सेना के प्रांत मिडिया प्रमुख सुरज खड़डियां ने बताया कि संगठन के प्रदेश संयोजक पवन मालवीय को सुचना मिली की एक युवक बैतूल रेलवे स्टेशन के सामने मृत अवस्था में है। जिस पर तत्काल संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय एवं संगठन के सदस्य मौके पर पहुंचे और गंज थाना पुलिस विभाग के सहयोग से युवक की शिनाख्ती कर मृत युवक के परिजनों से संपर्क किया गया। युवा जिला सह संयोजक नवीन पटेल ने बताया कि संगठन ने मृतक युवक को समाजसेवी बन्टी राठोर के सहयोग से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस विभाग एवं मृतक युवक के परिजन, संगठन व डाक्टरों की मौजूदगी में मृतक का पोस्टमार्टम किया गया। नगर महामंत्री बिट्टु गोयल ने बताया की मृतक युवक का नाम रोशन मस्कोले पिता महादेव मस्कोले निवासी नरखेड महाराष्ट्र है जिसकी उम्र 30 वर्ष है जो की रेलवे स्टेशन के सामने फुटपाथ पर अपना जीवन यापन कर रहा था। युवा जिला अध्यक्ष अनुज राठोर ने बताया कि मृतक युवक की पत्नी मुस्लिम समाज हैं जिसके दो बालक भी है। मृतक की पत्नी ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व से रोशन की तबियत खराब चल रही थी जिसे गंभीर बीमारी थी हमारे पास रूपये नहीं होने के कारण हमने अच्छा इलाज नही करा पाए। गोलू उघड़े ने बताया कि राष्ट्रीय हिन्दू सेना के सहयोग से मृतक युवक का अंतिम संस्कार करबला घाट पर विधिवत किया गया। युवक आदिवासी समाज का होने के कारण मृतक को माचना नदी के किनारे में गड्ढा खोदकर उसका अंतिम संस्कार मृतक की पत्नी बच्चों एवं पुलिस विभाग की मौजूदगी में किया गया। संगठन निरंतर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह परमार के मार्गदर्शन में सेवा रूपी कार्य जिले में कर रहा है। संगठन ने सभी से अपील की है कि जिले में कहीं भी बेसहारा, गरीब,परिवार में मृतक हो तो उसका अंतिम संस्कार संगठन द्वारा किया जाएगा। अभी तक संगठन के द्वारा 10 मृतकों का अंतिम संस्कार किया जा चुका है। इस अवसर पर पुलिस विभाग के प्रधान आरक्षक मयुर तावरे, प्रधान आरक्षक आशीष चौहान, संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय, प्रदेश संयोजक पवन मालवीय, एंबुलेंस संचालक बन्टी राठौर, विभाग अध्यक्ष दीपक कोसे, अर्विंद मासोदकर,गोलू उघड़े,बिटू उईके आदि मौजूद थे।

वैभवी मिश्रा का सुयश

10वीं में हासिल किए 93 प्रतिशत से अधिक अंक

बैतूल। सेंट टैरेसा स्कूल, डॉन बॉस्को के पास सदर बैतूल में अध्ययनरत सीबीएसई पैटर्न कक्षा 10वीं की मेधावी छात्रा वैभवी मिश्रा ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल एवं परिवारजनों का मान बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि वैभवी मिश्रा ने यह उपलब्धि अपनी मां प्राथमिक शिक्षिका श्रीमती विपाशा मिश्रा एवं दादी श्रीमती कुमुद मिश्रा के मार्गदर्शन में प्राप्त की है। उन्हें दो विषयों में ए-1, तीन विषयों में ए-2 ग्रेड मिला है। वैभवी ने अपनी इस सफलता का श्रेय गुरुजनों एवं अपनी माता, दादी, नाना-नानी एवं परिवारजनों के आशीर्वाद और उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को दिया है। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों, रिश्तेदारों, इष्ट मित्रों और शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

वाटर स्पोर्ट्स में सेलिंग विधा हेतु जिले के 150 खिलाड़ियों का किया परीक्षण

बैतूल। जिला खेल और युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में बुधवार को स्थानीय मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में वाटर स्पोर्ट्स अकादमी की सेलिंग विधा हेतु प्रतिभा चयन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चयन ट्रायल में म.प्र. राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी भोपाल से आए प्रशिक्षकों ने जिले के 150 खिलाड़ियों का परीक्षण किया। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती पूजा कुरील ने बताया कि म.प्र.राज्य स्पोर्ट्स अकादमी भोपाल द्वारा 2024-25 हेतु वाटर स्पोर्ट्स अकादमी की सेलिंग विधा के लिए चयन ट्रायल में भोपाल से प्रशिक्षक श्री अनिल शर्मा एवं सहायक प्रशिक्षक श्री शेखर बाथम उपस्थित थे। इस दौरान 150 खिलाड़ियों का परीक्षण किया गया। आगामी माह जून में प्रतिभा चयन कार्यक्रम का अंतिम चरण भोपाल में होना संभावित है। श्रीमती कुरील ने बताया कि विगत वर्ष जिले से चयनित सेलिंग खिलाड़ी कु.अर्पणा चौधरी इस वर्ष राष्ट्रीय महिला जूनियर प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी।

जिले के 32 साइट पर लाइव हुई बीएसएनएल की 4जी सेवा

बैतूल। सरकारी कंपनी बीएसएनएल ने आखिरकार लंबे अंतराल के बाद बैतूल जिले के कुछ चुनिंदा साईटों पर 4-जी सेवा को लाईव कर दिया है। अब जिलेवासियों को निजी कंपनी की तरह बीएसएनएल में भी तेज इंटरनेट स्पीड सेवा मिलने लगी है। बीएसएनएल भी निजी कंपनी एयरटेल, जिओ और वीआई को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार हो गई है। बीएसएनएल उपभोक्ता कई वर्षो से 4-जी सेवा आने का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार उपभोक्ताओं का इंतजार खत्म हो गया है। बीएसएनएल कार्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक हाल ही में बीएसएनएल ने बैतूल मुख्यालय सहित जिले के कुछ ब्लॉकों के कुल 32 साईटों पर टेस्टिंग के लिए अपनी 4-जी सेवा को लाईव कर दिया है। उपभोक्ताओं को मोबाइल में 4-जी सिग्नल मिलना प्रारंभ हो गए है। 4-जी सेवा प्रारंभ होने से उपभोक्ताओं के चेहरे पर भी खुशी देखने को मिल रही है। जानकारी के मुताबिक जिला मुख्यालय पर एक दर्जन से अधिक साइट पर 4-जी की सेवा प्रारंभ की गई है। हालांकि शुरूआत में टेस्टिंग चल रही है, जिसके कारण बीएसएनएल उपभोक्ताओं को थोड़ी परेशानी का सामना भी करना पड़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि टेस्टिंग जल्द पूरी हो जाएगी और लोगों को बिना रूकावट के तेज इंटरनेट स्पीड मिलना शुरू हो जाएगी।

बीएसएनएल के उपभोक्ताओं में होगा इजाफा–

वर्षो से बीएसएनएल 3-जी सेवा दे रहा था, जिसके कारण उपभोक्ताओं की संख्या में तेजी से गिरावट आ गई थी। लेकिन अब 4- जी सेवा प्रारंभ होने के बाद सरकारी कंपनी बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या में बढ़ोत्तरी होने की संभावना अधिक बनी है। अभी भी बैतूल जिले में बीएसएनएल के कई उपभोक्ता है, जो केवल बीएसएनएल की सिम का इस्तेमाल करते है। 3-जी सेवा होने के कारण कई उपभोक्ता का सिम को रिचार्ज भी नहीं करते थे, लेकिन अब उपभोक्ता बीएसएनएल की ओर रुख कर सकते है। जानकारी के मुताबिक 15 अगस्त तक संभवत पूरे जिले भर में 4-जी सेवा की शुरूआत हो जायेगी।

जहां कवरेज नहीं, वहां लग रहे बीएसएनएल टॉवर– बीएसएनएल के अधिकारियों के मुताबिक बीएसएनएल ने नए 4-जी टावर लगाने के लिए उन स्थानों का चयनित किया है, जहां किसी भी टेलीकॉम कंपनी का नेटवर्क नहीं है। यहां बीएसएनएल नए 4-जी टॉवर लगा रहा है। जिले में ऐसे करीब ढाई सौ नए टॉवर लगाने की प्रक्रिया जारी है। यह नए टॉवर में सेवा शुरू होने पर गांव-गांव तक बीएसएनएल का नेटवर्क अच्छे से मिल पाएगा।

बोर्ड परीक्षा में पायोनियर पब्लिक स्कूल का उत्कृष्ट परिणाम

देवास। पायोनियर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा सीबीएसई बोर्ड की कक्षा 10 वी व 12 वीं की परीक्षा का परिणाम उत्कृष्ट रहा। कक्षा 12वीं में चार विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। अनिरुद्ध बेनर्जी ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर अनन्या बेनर्जी ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सिम शर्मा 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय व हर्ष वर्मा ने 91.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। वही 13 विद्यार्थियों प्रियांशी राठौर 83 प्रतिशत, हर्षित वर्मा 80.4 प्रतिशत, श्रुति दापोरकर 79 प्रतिशत, यशस्वी गोस्वामी 79 प्रतिशत, राशि बोराडे 77 प्रतिशत, रिद्धिमा शर्मा 76.8 प्रतिशत, श्रेया पांडे 69 प्रतिशत, अर्पिता पाठक 64 प्रतिशत, वंशिका बोचारे 63.4 प्रतिशत विशेष दोहरे 61.4 प्रतिशत, आलिया शेख 61 प्रतिशत, विशाखा चौधरी 60.2 प्रतिशत व कुलदीप चौहान ने 60 प्रतिशत अंकों के साथ परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। इसी प्रकार कक्षा दसवीं के युवराज सिंह सोलंकी 81.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, अगम पटेल 81.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय, जयेश मुकाति ने 74.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं अन्य 11 विद्यार्थियों ने धैर्य राजुरकर 68.8 प्रतिशत, श्रद्धा ठाकुर 67.8 प्रतिशत, सुहानी ठाकुर 66 प्रतिशत, विश्वराज सिंह झाला 65 प्रतिशत, हर्षवर्धन 63.2 प्रतिशत, दीपांशु 63 प्रतिशत, खुशबू बालोद 63 प्रतिशत, वेदांत देशमुख 62.4 प्रतिशत, कुनाल राठौड़ 61.6 प्रतिशत, साक्षी गोस्वामी 61.4 प्रतिशत, नीरव ने 60.2 प्रतिशतअंक प्राप्त कर परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। विद्यालय प्रबंधन ने समस्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार का सार्थक प्रयास

रसुलपुर बायपास पर बनेगा फ्लायओवर

देवास। शहर को विकसित करने में विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार ने अथक प्रयास किये हैं, विधायक पवार ने शहर के विकास में एक और अनुकरणीय प्रयास किया है रसुलपुर बायपास पर फ्लायओर ब्रिज के निर्माण का जो कि सफल रहा है। विधायक ने दिनांक 5/5/2022 को केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के इंदौर आगमन पर उनसे इस बारे में चर्चा कर रसुलपुर बायपास चौराहे पर इंदौर रोड से भोपाल बायपास की तरफ फ्लाईओवर की मांग कर उन्हें ज्ञापन सौंपा था। श्री गड़करी ने उन्हें मौखिक स्वीकृति प्रदान की थी और आश्वासन दिया था कि जल्द से जल्द इस कार्य को पूर्ण किया जाएगा। अब इस कार्य के लिए 42.33 करोड रूपये की स्वीकृति मिल गई हैं। इस कार्य के लिए अतिशीघ्र टेंडर प्रकिया को पूर्ण कर कार्य प्रारंभ किया जाएगा। विधायक श्रीमंत गायत्री राजे की इस सार्थक पहल से क्षेत्र के लोगों में हर्ष व्याप्त है। अब जल्द ही लोगों को यहां पर लगने वाले जाम एवं परेशनी से राहत मिलेगी।

कायस्थ समाज ने धूमधाम से मनाया भगवान श्री चित्रगुप्त का प्रकटोत्सव

देवास। कायस्थ समाज ने श्री चित्रगुप्त भगवान का प्रकट उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया। समाज के प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रदीप खरे ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव, महिला प्रदेश अध्यक्ष विभा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं जिला अध्यक्ष राम श्रीवास्तव, प्रभारी महिला जिला अध्यक्ष शशि खरे , प्रदेश युवा उपाध्यक्ष पवन श्रीवास्तव, शहर अध्यक्ष विशाल सक्सेना के नेतृत्व में बड़ी संख्या में चित्रांश बंधुओ ने शामिल होकर 14 मई को चित्रगुप्त मंदिर गीता भवन में शाम को 8 बजे भगवान श्री चित्रगुप्त जी का पूजा अर्चना हवन, महा आरती के साथ छप्पन भोग लगाकर प्रकट उत्सव मनाया। इस अवसर पर समाज की विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की गई और आगामी

कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। साथ ही साथ चित्रगुप्त चौराहा रसलपुर के रख रखाव एवं सौंदर्य करण के लिए पर भी विशेष चर्चा की गई। उत्सव में देवास जिले के चित्रांश बंधुओ ने परिवार सहित उपस्थित होकर महा आरती में भाग ले कर अपने आराध्य देव चित्रगुप्त भगवान के दर्शन लाभ लिए। इस अवसर पर नीलू राजेश सक्सेना, विशाल शिखा सक्सेना ,छाया नरेश कानूनगो, रोहन भावना श्रीवास्तव, सुधीर श्रीवास्तव, पवन प्रियंका श्रीवास्तव, रश्मि अनूप श्रीवास्तव, शोभा उमाशंकर श्रीवास्तव, लीला सक्सेना, अनुपम डॉक्टर श्याम श्रीवास्तव, शर्मिला संजीव श्रीवास्तव, नीतू मनोज श्रीवास्तव, शिमला अशोक श्रीवास्तव, उमा देवी श्रीवास्तव, अर्चना रूपल श्रीवास्तव, सृष्टि श्रीवास्तव, यशस्वी श्रीवास्तव, अर्चना स्वप्निल श्रीवास्तव, प्रेरणा सक्सेना, अखिलेश श्रीवास्तव अजय निगम आदि उपस्थित रहे। आभार शहर अध्यक्ष विशाल सक्सेना ने माना।

वर्षाकाल के दृष्टिगत नाला एवं नालियों की सफाई कार्य निरंतर किया जा रहा है

देवास। आगामी वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त रजनीश कसेरा के निर्देश पर निगम स्वास्थ्य अधिकारी जितेन्द्र सिसोदिया के द्वारा निगम की स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा शहर के नालों के साथ ही वार्डों मे स्थित नालियों की भी सफाई द्रुत गति से की जा रही है। स्वास्थ्य अधिकारी श्री सिसोदिया से चर्चा अनुसार वर्षाकाल मे जल जमाव जैसी स्थिती उत्पन्न न हो इस हेतु आयुक्त के निर्देशन मे नालों एवं नालियों की सफाई कार्य निरंतर जारी है तथा वार्डो मे भी सफाई मित्रो द्वारा सफाई कार्य किये जा रहे है। श्री सिसोदिया ने बताया कि कचरा संग्रहण गाडीयों द्वारा वार्डो मे घर-घर से गीला एवं सुखा कचरा लिया जा रहा है। कचरा संग्रहण गाडियां कुछ वार्डो मे थोडा विलम्ब से पहुंच पा रही हैं, विलम्ब से जाने

वाली कचरा गाडियों पर फोकस किया जाकर जो समस्या आ रही है उसे शीघ्र ही दूर कर समय पर उन वार्डो मे भी कचरा गाडियों को भेजा जाना सुनिश्चित किया जा रहा है जो कचरा गाडियों मे तकनीकी समस्या है उन गाड़ियों में शीघ्र ही कार्य करवाया जा रहा है ताकि समय पर वार्डो मे कचरा गाडियां पहुंच सकें।

वास्ती कॉमर्स कोचिंग क्लासेस के छात्र-छात्राओं ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

सुबह सवेरे सोहागपुर

वास्ती कामर्स कोचिंग कोचिंग क्लासेस के कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं ने सीबीएसई बोर्ड एवं एमपी बोर्ड में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतिवर्षानुसार इस साल भी वास्ती कॉमर्स कोचिंग क्लासेस के छात्र-छात्राओं ने कॉमर्स संकाय में सोहागपुर ब्लाक में सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम का दिया है। शास्त्री कोचिंग क्लासेस संचालक अजहर वास्ती ने बताया की प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कोचिंग के विद्यार्थियों में एमपी बोर्ड के कॉमर्स संकाय में दीपशिखा दुबे ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं द्वितीय स्थान निखिल सोनी 91.5 प्रतिशत एवं तृतीय स्थान आदित्य कुशवाहा 89.4 प्रतिशत ने प्राप्त किया। सीबीएसई बोर्ड में ध्रुव पांडे ने 83.4 प्रतिशत अंकों के साथ कक्षा में प्रथम स्थान अभिषेक रघुवंशी ने 83 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान एवं शिवांश वर्मा ने 82.2 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्र-छात्राओं की उपलब्धि पर कोचिंग संचालक अजहर वास्ती ने हर्ष व्यक्त करके कोचिंग के समस्त विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

शासकीय पक्के कुएं पर किया निर्माण कार्य

ग्रामीणों ने जिलाधीश को की शिकायत

देवास। ग्राम पंचायत सदाशिवपुरा के ग्रामीणों ने जिलाधीश को शिकायत की है कि ग्राम पंचायत सदाशिवपुरा विकासखंड देवास के सरपंच एवं सचिव द्वारा शासकीय पक्के कुए में मिट्टी भरवाकर एक ओटले (चबूतरे) का निर्माण किया गया है। जो मकान के पीछे की तरफ बनाया गया है जहां पर धार्मिक एवं सार्वजनिक कार्य नहीं हो सकते हैं, यह गलत जगह बनाया गया है। इसकी जांच कर उचित कार्यवाही की जाए एवं कुए की मिट्टी निकलवाई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जांच में यहां पर कुआ नहीं पाया जाता है तो उसका खर्च भी ग्रामीण देने को तैयार हैं।

नर्मदा में स्थित जीव-जन्तुओं को संरक्षण की जरूरत..

नर्मदापुरम। कचरे मे बेचारे कछुआ चाचा यह कल महादेव नागेश्वर मंदिर नर्मदा तट पर इस हालत में कैसे आए यह जांच का विषय हो सकता है पर मां नर्मदा तट पर अब भी इनका जीवन है। इससे सिद्ध होता ही है लेकिन इनके संरक्षण में हम सब फेल है। आज भी हम नर्मदा और उसमें स्थित जलीय जीव जन्तुओं की सुरक्षा और संरक्षण की दिशा में बहुत कुछ कर सकते हैं लेकिन यह तभी संभव है, जब हम प्राणी मात्र में ईश्वर को देखें और समझें अभी तो हम इन्हें अपना आहार मानते हैं और उपदेश देने वाले को शत्रु...

युवक पर तलवार से किया हमला

बैतूल। बैतूलबाजार थानांतर्गत एक युवक को विवाद में बचाव करना बहुत भारी पड़ गया। युवक पर तलवार से हमला कर उसे घायल कर दिया गया है। उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बैतूलबाजार निवासी पंकज पंडाग्रे के घर के आसपास कुछ लोगों के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा था। पंकज विवाद को बड़ा देखते हुए बीच-बचाव करने पहुंच गया था। इस दौरान उसी पर तलवार से हमला कर गम्भीर घायल कर दिया, इस हमले में युवक को गंभीर चोट आई है। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है तलवार से हमला करने वाली युवक पर पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इनर व्हील क्लब ने

दृष्टि बाधित सहयोग संस्था में सोलर लाइट लगवाई..

नर्मदापुरम। इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष वंदना समैया ने बताया, दृष्टिबाधित सहयोग संस्था में बाहर परिसर में पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण परेशानी होती थी, जानकारी मिलने पर वहां अंधकार दूर करने हेतु सोलर लाइट लगवाई गई। क्लब के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में डिस्ट्रिक्ट में सभी जगह में इनरव्हील द्वारा सोलर लाइट लगवाने का मैचिंग ग्रैंड प्रोजेक्ट दिया गया था, इसी उद्देश्य से शहर में इनरव्हील संस्था द्वारा यहां दो सोलर लाइट लगवाई गई? इसके अलावा तारण तरण चैत्यालय की बाहरी दीवार पर भी संस्था ने सोलर लाइट लगवाई है। यह संस्था मानवता सेवा के लिए नगर में उत्कृष्ट कार्यो के लिए जानी जाती है। इस मौके पर अध्यक्ष सहित उपाध्यक्ष ऋचु जैन, सचिव नीता जैन, आइएसओ अंजू गुप्ता, एडिटर अंशु अग्रवाल, मऊ चौधरी, डॉक्टर ममता सिंह चौहान, मृदुला जैन, कामिनी गिल्रा, विजेता दुबे, उपस्थिति रही, दृष्टिबाधित सहयोग संस्था के संचालक जूही दुबे ने इनरव्हील सदस्याओं का आभार माना। वहीं तारण तरण समाज के संरक्षक श्रीमान सुभाष गिल्रा ने इनर व्हील संस्था की भूरी भूरी प्रशंसा की..

आईपीएल

विजय रांगणेकर

(लेखक और समीक्षक)

250 रन भी जीत की ग्यारंटी नहीं

अब हम आईपीएल में नियमित रूप से 240, 250 रन के स्कोर देख रहे हैं। इसका मुख्य कारण बल्लेबाजी के लिए अच्छी पिच भी है और भारत में मैदान भी इतने ज्यादा बड़े नहीं हैं। दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के मैच में दोनों टीमों ने मिलकर 40 ओवर के मैच में 26 छक्के जड़े थे। खिलाड़ी अब टी20 को इसी तरह खेल रहे हैं। रिकॉर्ड बहुत तेजी से बन और टूट भी रहे हैं। खासकर सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ एक पारी में 287 रन बनाकर क्रिकेट दुनिया में सनसनी फैला दी थी। आईपीएल 2023 तक किसी टीम द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर 263 रन था, जिसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ बनाया था।

इंडियन प्रीमियर लीग का 17 वां सीजन कई मायनों में पिछले 16 सीजन से अलग हैं. इतने ज्यादा रन बन रहे हैं कि किसी टीम के लिए 250 रन बना लेना भी जीत की गारंटी नहीं रही. इस सीजन में आईपीएल 2024 में अब तक कुल आठ बार 250+ का स्कोर बन चुका है। आधुनिक टी20 में सुस्ताने की कोई जगह नहीं है। आपको सिर्फ हिट करना होता है और यह ऐसा ही रहेगा। अब हम आईपीएल में नियमित रूप से 240, 250 रन के स्कोर देख रहे हैं। इसका मुख्य कारण बल्लेबाजी के लिए अच्छी पिच भी है और भारत में मैदान भी इतने ज्यादा बड़े नहीं हैं। दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के मैच में दोनों टीमों ने मिलकर 40 ओवर के मैच में 26 छक्के जड़े थे। खिलाड़ी अब टी20 को इसी तरह खेल रहे हैं। रिकॉर्ड बहुत तेजी से बन और टूट भी रहे हैं। खासकर सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ एक पारी में 287 रन बनाकर क्रिकेट दुनिया में सनसनी फैला दी थी। आईपीएल 2023 तक किसी टीम द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर 263 रन था, जिसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ बनाया था। 10 साल तक यह रिकॉर्ड नहीं टूट पाया था, लेकिन आईपीएल 2024 (आईपीएल 2024) में यह रिकॉर्ड टूट गया है.

बीसीसीआई ने वैसे तो इम्पैक्ट प्लेयर रूल की शुरुआत आईपीएल 2023 में की थी, लेकिन इसका सबसे ज्यादा प्रभाव 2024 में देखने को मिल रहा है। इसका मतलब अगर कोई टीम पहले खेल रही है तो वो 7 मुख्य बल्लेबाजों के साथ उतर सकती है क्योंकि गेंदबाजी आने पर इम्पैक्ट प्लेयर रूल के तहत एक बल्लेबाज को हटाकर 5वें गेंदबाज को प्लेइंग इलेवन में जगह दी जा सकती है। इससे टीमों की बल्लेबाजी लाइन-अप में बहुत गहराई आई है। कोलकाता और हैदराबाद समेत कई टीमें इस नियम का फायदा उठाकर लगातार 200 से अधिक रन स्कोर बना रही हैं। इंपैक्ट प्लेयर नियम ने भी इसमें एक और आयाम जोड़ दिया है जिसमें प्रत्येक टीम एक और बल्लेबाज को शामिल कर सकती है। यह चलन टूर्नामेंट में आगे भी जारी रहेगा क्योंकि इसका मुख्य कारण बल्लेबाजी के लिए अच्छी पिच भी है। बल्लेबाजी के अनेक अविश्वसनीय रिकॉर्ड बन रहे हैं और टूट रहे हैं। रिकॉर्ड्स बनने और टूटने की प्रकिया में ये लीग गेंदबाजों के लिए कब्रगाह बन गई है. रनों के मामले में बल्लेबाज और टीमों के हिस्से में जहां शानदार और यादगार रिकॉर्ड्स आ रहे हैं. वहीं गेंदबाजों के हिस्से में घटिया रिकॉर्ड्स आ रहे हैं जिसे वे कभी याद नहीं रखना चाहेंगे. आलम यह है कि बड़ा से बड़ा गेंदबाज गेंदबाजी करने से कतरा रहा है. क्रिकेट के लिए ये शुभ संकेत नहीं है.

कोलकाता और पंजाब किंग्स के बीच मैच खेला

गया. इस मैच में केकेआर ने पंजाब किंग्स के गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए 261 रन बना दिए. केकेआर पहली पारी के बाद मैच को जीता हुआ मान कर चल रही थी. पंजाब किंग्स ने 8 गेंद पहले ही 262 का लक्ष्य हासिल कर न सिर्फ केकेआर को बल्कि दुनियाभर के क्रिकेट फैंस को हैरान कर दिया. एसआरएच ने इस सीजन में पहले एमआई के खिलाफ 277 रन बनाकर आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया. कुछ मैच बाद हैदराबाद ने बेंगलोर के खिलाफ 287 रन बनाकर आईपीएल के श्रेष्ठ स्कोर को रिन्यू कर दिया. पंजाब किंग्स- केकेआर के बीच मैच में 42 छक्के लगे और ये एक नए रिकॉर्ड के रुप में दर्ज हो गया. दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मोहित शर्मा ने 4 ओवर में 73 रन लुटाए और आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे गेंदबाज बन गए. ये कुछ ऐसे रिकॉर्ड हैं जो दिख रहे हैं. लेकिन इसके अलावा भी हर मैच में गेंदबाजों की धुनाई हो रही है. बल्लेबाज 12 से 18 गेंद के बीच 50 बना रहे हैं. एक ओवर में 30 रन बन रहे हैं. ये सब आम हो गया है. निश्चित रुप से रोमांच के साथ गेंदबाजों की क्लास को बनाए रखने के लिए आईपीएल प्रशासन को कुछ अहम निर्णय जरुर लेने चाहिए. वरना कुछ समय बाद गेंदबाजों का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा. क्रिकेट का खेल बल्लेबाजों के साथ-साथ गेंदबाजों का भी है. जितने भी नियम बनाए जा रहे हैं वे गेंदबाजों के विरुद्ध ही होते हैं. इम्पैक्ट प्लेयर का रुल, ओवर रेट में कम होने पर 30 गज के बाहर कम फिल्डर रखने का रुल, बैटिंग पिच जैसी कुछ चीजे गेंदबाजों के खिलाफ हैं. इन नियमों का फायदा उठाकर बल्लेबाज तो हीरो बन जाता है. लेकिन गेंदबाज को लोग विलेन मानने लगते हैं. सच्चाई ये है कि गेंदबाज नियमों से बंधा हुआ है उसके पास खुद बचाने के ज्यादा विकल्प नहीं हैं. ऐसे में कुछ नियम ऐसे भी होने चाहिए जो गेंदबाजों को फेवर करे. इससे हर मैच में गेंदबाजों पर होने वाला अत्याचार रुक सकता है और क्रिकेट का रोमांच बना रहेगा.

परिक्रमा

मोदी का कांग्रेस पर और राहुल का मोदी पर तंज

अरुण पटेल

लेखक सुबह सवेरे के प्रबंध संपादक हैं।
संपर्क-
09425010804
07999673990

मां गंगा और कालभैरव का आशीर्वाद लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार वाराणसी लोकसभा सीट से चुनावी समर में कूदते ही कांग्रेस पर तंज किया कि उत्तरप्रदेश में कांग्रेस का खाता तक नहीं खुलेगा तो वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्वीट कर पूछ डाला कि देश की सम्पत्ति कितने टेम्पो के बदले बेची, क्या मोदी जनता को यह बतायेंगे।

नामांकन के बाद एक टीवी चैनल से बातचीत में मोदी ने कहा कि राम मंदिर चुनाव का नहीं श्रद्धा का मुद्दा है। राहुल गांधी को वायनॉड के बाद रायबरेली से चुनाव लड़ने पर उन्होंने कहा कि केरल के लोग उन्हें समझ चुके हैं। जनता ने इस बार हमें 400 से ज्यादा सीटें जीतने का आदेश दिया है। मोदी ने यह भी कहा कि मैं कभी हिन्दू-मुसलमान नहीं करुंगा, जिस दिन हिन्दू-मुसलमान करुंगा उस दिन मैं सार्वजनिक जीवन में रहने योग्य नहीं रहूंगा। उन्होंने कहा कि बचपन में मेरी परवरिश मुस्लिम समुदाय के बीच हुई थी, हमारे पड़ोस में मुस्लिम परिवार रहते थे। मैं बचपन में अपने पड़ोसियों के साथ ईद मनाता था, इस दिन हमारे घर में खाना नहीं बनता था, खाना पड़ोसियों के यहां से आता था, मेरे कई मुस्लिम दोस्त भी हैं। उन्होंने यह भी साफ किया कि हमारी सरकार धर्म व जाति के आधार पर भेदभाव नहीं करती। गुजरात में 2002 के बाद मेरी छवि खराब करने की कोशिश की गई। ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले और घुसपैठियों के सवाल पर मोदी का कहना था कि जब मैं ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले लोगों के बारे में बात करता हूं तो लोग यह मान लेते हैं कि मैं मुसलमानों के बारे में बात कर रहा हूं। कई गरीब हिन्दू

परिवारों में भी यह समस्या है, ज्यादा बच्चे होने के कारण वे उन्हें ठीक से शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं।

लखनऊ एयरपोर्ट का वीडियो साझा करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से एक्स पर यह पूछा कि देश की सम्पत्ति कितने टेम्पो के बदले बेची। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता की पूंजी दोस्तो को दे दी, उन एयरपोर्टों के नाम भी गिनाएं जो अदाणी को दिये गये हैं। उन्होंने लिखा कि आज मैं लखनऊ एयरपोर्ट पर था, गुवाहाटी से लेकर अहमदाबाद तक तमाम एयरपोर्ट अपने टेम्पो वाले मित्र को सौंप दिये हैं। देश की सम्पत्ति कितने टेम्पों के बदले बेची गयी, क्या नरेन्द्र मोदी

जनता को बतायेंगे। राहुल ने उन एयरपोर्ट के नाम भी गिनाये जो अदाणी को दिये गये। उन्होंने तंज किया कि मुम्बई, अहमदाबाद, लखनऊ, मंगलूरु, जयपुर, गुवाहाटी और तिरुअनंतपुरम जैसे जबरदस्त एयरपोर्ट नरेंद्र मोदी ने रैपिड टेम्पो के साथ गौतम अदाणी को दे दिये। राहुल ने जो वीडियो शेयर किया उसमें सबसे पहले लखनऊ एयरपोर्ट अदाणी को देने का जिक्र है। उन्होंने सवाल किया कि इसकी जांच कब शुरू करेंगे। तीसरी बार वाराणसी से मोदी के नामांकन करने पर कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने पूछा कि 20 हजार करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद भी आखिर गंगा क्यों मैली है। जयराम रमेश ने सवालों के तीर चलाते हुए कहा है कि पहले प्रधानमंत्री को वाराणसी में अपनी विफलताओं पर जवाब देना चाहिये कि आखिर इतनी भरकम राशि खर्च करने के बावजूद गंगा अधिक मैली क्यों हो गई, वाराणसी के अपने गोद लिये गांवों को उनके ही हाल पर क्यों छोड़ दिया। इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी ने वाराणसी में महात्मा गांधी से जुड़ी विरासत को नष्ट करने का भी आरोप लगाया। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तरप्रदेश में यादव बाहुल्य लोकसभा क्षेत्रों में चुनावी प्रचार करते हुए सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पर तंज कसा कि गठबंधन करना ही है तो डूबते जहाज में क्यों बैठ रहे हो भैया, जिन्होंने पूरी कांग्रेस को डुबो दिया उनसे गठबंधन कर रहे हो। इस प्रकार जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है वैसे-वैसे राजनेताओं के बीच एक-दूसरे पर घटाटोप आरोपों की झड़ी भी बढ़ती जा रही है तथा आगे यह और अधिक तीखी व तल्ख होती जायेगी।

निवाड़ी में बिजली की केबल घर पर गिरी, 6 लोग घायल

निवाड़ी (नप्र)। निवाड़ी के पृथ्वीपुर में बुधवार सुबह बिजली की केबल टूट कर घर पर गिर गई। घर में मौजूद 6 लोग करंट की चपेट में आ गए। पड़ोस के लोग खुद को बचाते हुए घर में घुसे और घायलों को पृथ्वीपुर अस्पताल ले गए। दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा गांव सकेरा भड़ारन में सुबह करीब 8 बजे हुआ। लोगों ने विद्युत विभाग को केबल टूटने की शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद सुधार कार्य शुरू किया गया। पृथ्वीपुर ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर एमके जैन ने बताया कि 6 लोग करंट से झुलस कर आए थे, जिनका उपचार पृथ्वीपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है।

श्रीश्री रविशंकर के जन्मदिन पर भोपाल में सत्संग सभा

- गायक हर्षल पुलेकर ने प्रस्तुत किए भजन और गीत,बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल

भोपाल (नप्र)। श्रीश्री रविशंकर महाराज के जन्मदिन के मौके पर भोपाल के समन्वय भवन में सत्संग सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें प्रसिद्ध गायकों ने सुमधुर भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरूवंदना के साथ की गई। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक रविशंकर महाराज के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुंबई से आए गायक हर्षल पुलेकर ने भजन और गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद हुए।

गांधीनगर, बरखेड़ी में आज बिजली कटौती

- भोपाल के 25 इलाकों में सप्लाई नहीं, जानकी नगर, सीआई कॉलोनी-बाग मुगालिया में भी असर

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के 25 से अधिक इलाकों में गुरुवार को 2 से 5 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई बंद रखी जाएगी। ऐसे में लोग जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि, कोई परेशानी न हो। गुरुवार को जिन इलाकों में मेंटेनेंस के चलते सप्लाई बंद रहेंगी, उनमें गांधी नगर, बरखेड़ी, जानकी नगर, सीआई कॉलोनी, बाग मुगालिया जैसे कई बड़े रहवासी इलाके भी शामिल हैं।

इन इलाकों में पड़ेगा असर

- सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक बाग मुगालिया एक्सटेंशन, आम्रपाली मार्केट एवं आसपास के इलाके।
- सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक अशोक विहार, नगर निगम कॉलोनी, बैंक कॉलोनी, आशाराम चौराहा, गांधी नगर, अर्जुन वार्ड, झूलेलाल मार्केट, टैगोर वार्ड, शिवाजी वार्ड, जोगीपुरा, अहीर मोहल्ला, पुल पातरा, बरखेड़ी, मल्टी स्टोरिज लक्ष्मी गल्ला मंडी एवं आसपास के इलाके।
- सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक इतवारा चौकी, इस्लामपुरा एवं आसपास के क्षेत्र।
- सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक जानकी नगर, अमलतास कॉलोनी, सीआई कॉलोनी, सागर होम्स एवं आसपास के क्षेत्र।

चारधाम यात्रा- म.प्र.के तीर्थयात्री भी फंसे

गंगोत्री में 2 दिन फंसे रहे भोपाल-टीकमगढ़ के यात्री; केदारनाथ के दर्शन में 5-6 घंटे लग रहे

भोपाल (नप्र)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पर गए मध्य प्रदेश के तीर्थ यात्री भी फंसे हुए हैं। कोई केदारनाथ में हैं तो कोई गंगोत्री-बद्रीनाथ के रूट पर। इससे खाने-पीने की दिक्कतें भी खड़ी हो गई हैं। गंगोत्री के रास्ते पर भोपाल-टीकमगढ़ के कुछ यात्री 2 दिन तक फंसे रहे। जैसे-तैसे आगे बढ़े तो केदारनाथ और तोंगनाथ के रास्ते पर जाम में फंस गए। मप्र के सेंधवा की रजनी ठाकुर बताती हैं कि कल शाम 7 बजे से फंसे हैं। अब सुबह हो चुकी है लेकिन रास्ता नहीं खुला। हमारे साथ कई बुजुर्ग हैं, जो बीमार हो रहे हैं। पुलिस दो बार हाल पूछ गई, लेकिन खाने-पीने के इंतजाम नहीं किए। भोपाल के एक यात्री मनोज पांडे ने बताया, जाम की वजह से अब गंगोत्री की भीड़ केदारनाथ-बद्रीनाथ की तरफ डायवर्ट हो गई है, लेकिन यहां भी दर्शन करने में 5 से 6 घंटे लग रहे हैं। भोपाल के प्रदीप सोनी ने बताया कि पत्नी ज्योति सोनी, बेटी निकिता

और पारिवारिक मित्र गंगारामजी के साथ अभी वे तोंगनाथ की यात्रा पर है। परिवार 8 मई को भोपाल से चारधाम की यात्रा पर निकला था। गंगोत्री के रास्ते के अलावा तोंगनाथ के रास्ते पर भी 5 से 6 किलोमीटर लंबा जाम है। ठंड और खाने-पीने की वस्तुओं की कमी की वजह से दिक्कतें हो रही हैं।

बिना रजिस्ट्रेशन के पहुंचे हजारों लोग

भोपाल के अवधपुरी के मनोज पांडे ने बताया कि मेरे अलावा मित्र रामजी गुप्ता, तरुण सिंह और कैलाश सोनी चारधाम यात्रा पर हैं। हम सभी गंगोत्री के रास्ते से निकल गए हैं। इस रूट को वन-वे करके खुलवाया जा रहा है। दो-तीन और साथी थे, जो गंगोत्री के रास्ते पर 2 दिन तक फंसे रहे। पांडे ने बताया, बिना रजिस्ट्रेशन के यहां हजारों लोग पहुंच गए हैं। जाम के चलते गंगोत्री की भीड़ अब केदारनाथ-बद्रीनाथ की तरफ डायवर्ट हो गई है, लेकिन अधिक भीड़ होने से यहां भी दर्शन करने में 5 से 6 घंटे लग रहे हैं।

गंगोत्री न जाते हुए बद्रीनाथ की ओर चले गए

उन्होंने बताया कि अभी हम जोशी मठ पर है, जो बद्रीनाथ के रूट पर है। गंगोत्री न जाते हुए बद्रीनाथ की ओर बढ़ गए हैं। टीकमगढ़-भोपाल के दो-दो साथी अभी भी गंगोत्री के रूट पर ही फंसे हुए हैं। उनसे लगातार संपर्क कर रहे हैं। भोपाल के यात्रियों को अमरनाथ और चारधाम यात्रा कराने वाले रिंकू भटेजा ने बताया कि भोपाल से चारधाम की यात्रा पर गए सभी यात्री अभी सुरक्षित हैं। हालांकि, जाम की वजह से उनके सामने खाने-पीने की दिक्कतें हो रही हैं। हम भी तीर्थ यात्रियों के संपर्क में है।

इंदौर में निगमकर्मियों को सेना जैसी वर्दी पहनाने पर विवाद

कांग्रेस ने कहा-यह लोगों को डराने की कोशिश; महापौर बोले-ऐसी वर्दी पहनना अपराध नहीं

इंदौर (नप्र)। इंदौर नगर निगम ने बुधवार को रिमूवल गैंग के लिए आर्मी कमांडोज जैसा ड्रेस कोड लागू कर दिया है। कांग्रेस ने इसे आम लोगों में डर फैलाने का प्रयास बताकर सेना का अपमान कहा है। वहीं, महापौर ने कहा है कि इस रंग की ड्रेस पहनना कोई अपराध नहीं है। उधर, निगम आयुक्त ने शिकायत आने पर मामला दिखवाने की बात कही है। दरअसल, निगम का रिमूवल गैंग अतिक्रमण हटाने का काम करता है। ऐसी कार्रवाई लगभग हर रोज शहर के किसी न किसी हिस्से में चलती रहती है। अक्सर विवाद की स्थिति बन ही जाती है। रिमूवल गैंग के सदस्यों का कहना है कि कार्रवाई से नाराज होकर लोग हाथापाई, अपशब्द का प्रयोग करने लगते हैं। अब नए ड्रेस कोड से ऐसी स्थिति से बचा जा सकेगा।

इस्तेमाल कर रहा है।

कांग्रेस बोली- जनता को डराने के लिए किया यह प्रयोग

नगर निगम के इस प्रयोग पर कांग्रेस के संभागीय प्रवक्ता विवेक खंडेलवाल ने कहा, यह अपराध है। सेना का अपमान है। फौज का ड्रेस कोड हर कोई नहीं पहन सकता। इस तरह की वर्दी क्विक रिस्पॉन्स टीम और पैरामिलिट्री वाले भी पहनते हैं। एक्ट के तहत ही उन्हें मंजूरी है। खंडेलवाल ने कहा कि सेना की वर्दी देश की जनता में सुरक्षा का भाव जगाती है लेकिन आपने इस वर्दी का उपयोग जनता में डर पैदा करने के लिए किया है। यह निंदनीय है। कृपया संज्ञान लें। अपने निर्णय पर पुनः विचार करें।इंदौर नगर निगम का रिमूवल दस्ता सेना की वर्दी की तरह दिखने वाली यूनिफॉर्म का

निगम आयुक्त बोले- विवाद से बचने कर रहे इस्तेमाल

इसके जवाब में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा बोले, यातायात सुधार, अतिक्रमण हटाने जैसी कार्रवाई के दौरान विवाद होते हैं। ऐसे ड्रेस कोड से इससे बचा जा सकेगा। अगर इसको लेकर कोई शिकायत आती है तो हम इस पर दोबारा विचार करेंगे।

महापौर बोले- अनुशासन, एकरूपता के लिए प्रयोग किया

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा, यह रिमूवल गैंग के कर्मचारियों की विशेष ड्रेस है। इससे अनुशासन के साथ एकरूपता भी रहेगी। लोगों को भी पता लग जाएगा कि यह रिमूवल गैंग के सदस्य हैं। अभद्रता या विवाद की स्थिति नहीं बनेगी। जनता के बीच इम्पैक्ट भी जाएगा। इसे सेना की वर्दी से जोड़ना गलत है। सेना की वर्दी और चिह्न कोई अन्य पहन ले तो अपराध है लेकिन उसी कलर की ड्रेस पहनना अपराध नहीं है।

पुलिस ने की थी इस्तेमाल, सेना ने ली थी आपत्ति: कोविडकाल में इंदौर में पुलिस अधिकारियों ने इसी तरह की वर्दी पहनना शुरू की थी। 10 दिन में ही सेना ने इस पर आपत्ति ले ली और पुलिस मुख्यालय को पत्र लिखा। सेना के एक सीनियर अधिकारी ने कहा था कि भले ही आर्मी की वर्दी न पहनने का कोई ऑर्डर हमारी तरफ से नहीं निकाला गया लेकिन अपील कई बार की जा चुकी है। हम सिर्फ अपनी फोर्स के लिए ही ऑर्डर निकाल सकते हैं। इस बारे में नियम तो तय हैं ही।

प्रदेश में 2 दिन बारिश फिर भीषण गर्मी

- भोपाल-इंदौर समेत 21 जिलों में आज बारिश का अलर्ट, 17-18 को गर्म हवाएं चलेंगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अगले 2 दिन बारिश-आंधी का दौर रहेगा। बुधवार की तरह गुरुवार को भी भोपाल-इंदौर समेत 21 जिलों में बारिश-आंधी का अलर्ट है। 17-18 मई को प्रदेश के उत्तरी हिस्से यानी, ग्वालियर-चंबल संभाग में हीट वेव (गर्म हवाएं) के साथ भीषण गर्मी पड़ सकती है। इससे पहले प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर जारी रहा। रायसेन जिले के सिलवानी में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। आंधी से घरों के छप्पर उड़ गए और पेड़ टूटकर गिर गए। पन्ना, छिंदवाड़ा, गुना, शिवपुरी, विदिशा, बैतूल, अशोकनगर, सागर जिलों में भी बारिश हुई। धार के मनावर में आंधी की वजह से केले की फसल बर्बाद हो गई। अशोकनगर-शिवपुरी में ओले भी गिरे। भोपाल में शाम को बादल छाए रहे। कुछ इलाकों में बूंदाबांदी भी हुई। रात में भी कई जिलों में मौसम बदला रहा। बुधवार को भी ऐसा ही मौसम रहेगा।

इस वजह से मौसम बदला

प्रदेश के आधे से ज्यादा हिस्से में पिछले छह दिन से बारिश, आंधी और ओले का दौर जारी है। भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से ऐसा मौसम है। उत्तर भारत के कुछ जगहों पर नमी होने से बारिश हो रही है। अगले 2 दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा। 17 मई के बाद गर्मी का असर बढ़ेगा।

अगले 3 दिन ऐसा रहेगा मौसम

16 मई: नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी और बालाघाट में भी मौसम बदला रहेगा। बादल, बूंदाबांदी और आंधी वाला मौसम रहेगा।

17 मई: भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में गर्म हवाएं चलेंगी।

विधायक, महापौर नहीं बन सकेंगे काउंटिंग एजेंट, एनआरआई बन सकेंगे

सिक्योरिटी कवर पर्सन को बिना गार्ड मिलेगी मतगणना हाल में एंट्री

भोपाल (नप्र)। प्रदेश की 29 संसदीय सीटों के लिए चार चरणों में मतदान पूरा हो चुका है। मतगणना 4 जून को होगी। प्रदेश में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी और जिला निर्वाचन पदाधिकारियों ने मतगणना की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बीच चुनाव आयोग ने 4 जून को होने वाली मतगणना के लिए राजनीतिक दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों की ओर से मतगणना के दौरान मौजूद रहने वाले काउंटिंग एजेंट्स के लिए गाइडलाइन जारी की है। इसमें सिक्यूरिटी कवर्ड पर्सन को मतगणना हाल में सशर्त एंट्री दिए जाने की बात कही गई है। साथ ही काउंटिंग एजेंट के लिए एनआरआई को पात्र घोषित किया गया है। चुनाव आयोग की गाइडलाइन के मुताबिक मतगणना के लिए उम्मीदवारों के मतगणना अभिकर्ता (काउंटिंग एजेंट) की नियुक्ति जिला निर्वाचन पदाधिकारी करेंगे।